29 जनवरी 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

प्रधानमंत्री मोदी व नीतीश के नेतृत्व में विकसित राज्य बनने जा रहा है बिहार: जायसवाल 4

मौनी अमावस्या पर बन रहा समुद्र मंथन तुल्य योग, 8 फरवरी तक मिलेगा अमृत स्नान का लाभ

- ज्योतिषाचार्यों ने की अपील-मौनी अमावस्या पर न दिखाएं हड़बड़ी, किसी घाट पर करें स्नान

केटी न्यूज/प्रयागराज

सनातन आस्था के महापर्व महाकुम्भ के सबसे प्रमुख पर्व मौनी अमावस्या का अमृत स्नान 29 जनवरी, बुधवार को होगा। ज्योतिषशास्त्रियों की काल गणना के अनुसार इस वर्ष मौनी अमावस्या कि तिथि पर 144 वर्षों बाद अद्भुत त्रिवेणी योग बन रहा है। ज्योतिषशास्त्रियों का कहना है कि ये योग समुद्र मंथन के योग के समान है, इस योग में पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने से सहस्त्र वाजपेय यज्ञ और सौ अश्वमेध यज्ञ के सामान पुण्य प्राप्त होता है। ज्योतिषशास्त्रियों के अनुसार, यह समुद्र मंथन तुल्य योग मंगलवार अपराह्न 2.35 से लेकर 8 फरवरी प्रातः 7.25 बजे तक रहेगा। इस योग में स्नान करने पर अमृत स्नान का पुण्य प्राप्त होगा। शास्त्रों और पुराणों में वर्णन है कि महाकुम्भ में मौनी अमावस्या तिथि पर पवित्र संगम में स्नान करना मोक्षदायक माना गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, श्रद्धालु किसी विशेष योग और नक्षत्र के बजाए सुविधा के साथ किसी भी घाट पर स्नान करें, उन्हें संगम स्नान जैसे ही पुण्य फल की प्राप्ति होगी।

144 साल बाद बन रहा है विशिष्ट संयोगः पौराणिक मान्यता के अनुसार मौनी अमावस्या कि तिथि पर मौन व्रत रख कर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने का विधान है। पंचांग की गणना के अनुसार माघ मास की अमावस्या तिथि 28 जनवरी को सांयकाल 07 बजकर 32 मिनट से शुरू होकर 29 जनवरी को शाम 06 बजकर 05 मिनट तक रहेगी। प्रयागराज के ज्योतिष शास्त्री एचके शुक्ला का कहना है कि इस वर्ष महाकुम्भ में 144 वर्ष बाद विशिष्ट संयोग बन रहा है। इस वर्ष माघ मास की अमावस्या तिथि पर मकर राशि में सूर्य, चंद्रमा और बुद्ध तीनों ग्रह स्थित हो रहे हैं तथा बृहस्पति ग्रह नवम दृष्टि में है। इस विशिष्ट संयोग को त्रियोग या त्रिवेणी योग कहा जाता है। यह रिवेणी योग समुद्र मंथन काल के योग के समान है। इस योग में त्रिवेणी स्नान विशेष फलदायी है। मौनी अमावस्या तिथि पर मौन व्रत रख कर स्नान करने और भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है।

संगम स्नान नहीं कर पाने वाले घर पर ही करें विशेष स्नान

कानपुर के प्रख्यात ज्योतिशाचार्य पीएन द्विवेदी के अनुसार, महाकुम्भ में माघ मास की अमावस्या तिथि को ही मौनी अमावस्या कहा जाता है। मौनी अमावस्या के दिन ही वैवस्वत मनु का जन्म हुआ था। मौनी अमावस्या पर स्नान का उत्तम मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त में होता है, लेकिन पूरे दिन मौनी अमावस्या तिथि का स्नान करना शुभ है। उदया तिथि होने कारण पूरे दिन ही अमावस्या का स्नान होगा। संभव हो तो इस दिन मौन व्रत रख कर संगम स्नान करना चाहिए, विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। जो लोग त्रिवेणी संगम में स्नान नहीं कर पा रहे हैं वो संगम या गंगा जल को पानी में मिलाकर स्नान करें, उससे उन्हें संगम स्नान का ही फल प्राप्त होगा।

मौनी अमावस्या तिथि के दिन अमृत स्नान के कई शुभ मुहूर्तों का निर्माण हो रहा है, जिसमें स्नान और दान विशेष फलदायी है। इसमें ब्रह्म मुहूर्त से लेकर अमृत चौघड़िया मुहूर्त और शुभ चौघड़िया मुहूर्त भी है। साथ ही मौनी अमावस्या पर उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के बाद श्रवण नक्षत्र लग रहा है। इन सभी योग और नक्षत्रों में स्नान दान करने व पितरों की शांति के लिये पूजन करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

–एच के शुक्ल, ज्योतिषाचार्य

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हुआ बड़ा हादसा, 75 से अधिक लोग घायल

भगवान आदिनाथ के निर्वाण पर्व पर टूटा लकड़ी का मंच, दबने से 7 लोगों की मौत

- बड़ौत शहर के गांधी रोड पर स्थित मैदान में हुआ दर्दनाक हादसा
- जैन समुदाय का धार्मिक कार्यक्रम होने के कारण भारी संख्या में इकट्ठा हुए थे लोग

एजेंसी/बागपत

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में बड़ा हादसा हुआ है। बागपत में जैन समुदाय के धार्मिक कार्यक्रम भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू पर्व के लिए लकड़ी से बना मंच अचानक ढह गया। नीचे दबने से सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 75 से अधिक घायल हैं। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। बताया गया कि तुरंत एम्बुलेंस नहीं मिलने पर घायलों को ई रिक्शा में बैठाकर अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर बड़ौत कोतवाली इंस्पेक्टर भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी और एडिशनल एसपी भी मौके पर पहुंचे। घायलों में तकरीबन 15 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, बड़ौत शहर कोतवाली इलाके के गांधी रोड स्थित श्री दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज मैदान पर यह दर्दनाक हादसा हुआ है।

डीएम और एसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना

दरअसल, यह हादसा बड़ौत शहर कोतवाली क्षेत्र के गांधी रोड पर मंगलवार सुबह हुआ। मानस्तम्भ परिसर में बल्ली से बना मचान अचानक ढह गया, इस दौरान कई लोग उसके नीचे दब गए। इतना ही नहीं, घटना के बाद मौके पर भगदड़ भी मच गई। वहीं, सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू शुरू किया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में करीब 15 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। घायलों की संख्या बढ़ सकती है, सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही डीएम अस्मिता लाल और एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। बागपत के एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया, बड़ौत थाना क्षेत्र में एक धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था। जैन समुदाय द्वारा मंदिर में लड्डू चढ़ाने का कार्यक्रम था। कुछ लोग बल्ली से बने मचान पर चढ़े हुए थे, तभी वह टूटकर गिर गया। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. हादसे में तरसपाल (66) पुत्र हुकमचंद गांधी रोड इमली वाली गली, अमित (35) पुत्र नरेश चंद, अरुण(48) पुत्र केशव राम, ऊषा (24) पत्नी सुरेंद्र, शिल्पी (24) पुत्री सुनील जैन, विनीत जैन (40) पुत्र सुरेंद्र, कमलेश जैन(65) पत्नी सुरेश चंद की मौत हो गई है।

भगवान आदिनाथ के अभिषेक के लिए जमा हुई थी भीड़

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा बागपत शहर से 20 किलोमीटर दूर बड़ौत शहर के गांधी रोड स्थित श्री दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज के मैदान में हुआ। वहां मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे श्री 1008 आदिनाथ भक्तांबर प्रचार के तत्वावधान में मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव के तहत भगवान आदिनाथ के अभिषेक के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान अचानक ही मानस्तम्भ परिसर में बनाए गए 65 फुट ऊंचे अस्थायी मंच की लकड़ी की सीढ़ियां अचानक टूट गईं जिससे मंच पर मौजूद और उसके पास खड़े श्रद्धालु नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने समुचित इलाज का दिया निर्देश: सीएम योगी आदित्यनाथ ने बागपत जिले में हुए इस हादसे का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने और राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिये हैं और इसके साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

मुंबई में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई शहर की खराब होती वायु गुणवत्ता को देखते हुए मुंबई महानगर क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने और केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुमति देने की संभावना का पता लगाने के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। 22 जनवरी के सरकारी संकल्प (जीआर) के अनुसार, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुधीर कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाला पैनल अध्ययन करेगा और तीन महीने के भीतर अपनी सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। जीआर में कहा गया है कि समिति को क्षेत्र के विशेषज्ञों को साथी सदस्यों के रूप में शामिल करने और उनसे प्रतिक्रिया प्राप्त करने का अधिकार है।

मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में पड़ोसी ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिले के इलाके भी शामिल हैं। बता दें कि, 9 जनवरी को एक स्वप्रेरणा से जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मुंबई शहर में यातायात की भीड़भाड़ और बढ़ते प्रदूषण के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता, पर्यावरण और समग्र स्थिरता पर इसके नकारात्मक प्रभाव पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढही दो बहनों समेत पांच लोगों की मौत

बुराड़ी स्थित कौशिक एंक्लेव में हुआ हादसा

केटी न्यूज/नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी स्थित कौशिक एंक्लेव में सोमवार शाम चार मंजिला इमारत के जमींदोज होने से दो नाबालिग बहनों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य के दौरान मंगलवार को इनके शव मलबे से निकाले गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मलबे में अभी कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं हादसे में घायल चार लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे में घायल 12 लोगों का एलएनजेपी, ट्रामा सेंटर और बुराड़ी के सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बंठिया ने बताया कि बिल्डर योगेंद्र भाटी व अन्यों के खिलाफ गैर इरातन हत्या व गैर इरातन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार शाम उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त बुंदेलखंड, मध्य प्रदेश निवासी राधिका (7), इसकी बहन साधना (17), अनिल कुमार गुप्ता (42), भागलपुर, बिहार निवासी कादिर (40) और सरफराज (20) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कौशिक एंक्लेव की गली नंबर-23 में योगेंद्र भाटी नामक बिल्डर का 200 गज का मकान था। मकान पहले से एक मंजिल बना था। आरोप है कि बिल्डर ने उसी पुराने कंस्ट्रेक्शन पर चार मंजिला इमारत खड़ी कर दी थी। पिछले करीब एक साल से काम चल रहा था। अभी फिनिशिंग का काम चल रहा था। काम करने वाले सभी मजदूर इसी निमार्णाधीन इमारत में रह रहे थे।

पुलिस व्हाट्सएप के जरिए आरोपी को नहीं भेज सकती नोटिसः सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता या भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत पुलिस व्हाट्सएप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए आरोपी व्यक्ति को नोटिस नहीं भेज सकती है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे पुलिस को सीआरपीसी की धारा 41ए या बीएनएसएस की धारा 35 के तहत नोटिस भेजने के लिए केवल वहीं तरीके अपनाने का निर्देश दें, जिनकी कानून के तहत अनुमति हो।

शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि व्हाट्सएप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से नोटिस भेजना सीआरपीसी और बीएनएसएस के तहत तय की गई विधियों का विकल्प नहीं हो सकता। यह आदेश तब आया जब कोर्ट ने वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा का सुझाव स्वीकार किया, जिन्हें इस मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया गया था। लूथरा ने उन मामलों का जिक्र किया, जहां सीआरपीसी, 1973 की धारा 41ए के तहत नोटिस व्हाट्सएप के जरिए भेजा गया, लेकिन आरोपी जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने कहा कि पुलिस को सीआरपीसी, 1973 की धारा 41ए या बीएनएस, 2023 की धारा 35 के प्रावधानों को नजरअंदाज करके नोटिस व्हाट्सएप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से नहीं भेजने चाहिए, बल्कि उन्हें सामान्य विधि का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह निर्देश सतेंद्र कुमार अंतिल के मामले में दिए।

कमल का बटन दबाकर आपदा से मुक्त हो जाएं दिल्लीवाले: शाह

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी को हटाने के लिए बीजेपी ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली के कालका जी में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के लिए जनता का समर्थन मांगा, साथ ही सूबे की आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि 5 तारीख दिल्ली वालों के लिए केजरीवाल की आपदा से मुक्त होने का मौका है, इसलिए कमल का बटन दबाकर हमेशा के लिए आपदा से मुक्त हो जाइये। उन्होंने कहा कि बीजेपी के जीतने के बाद कालकाजी को नंबर 1 विधानसभा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में झूठ, फरेब वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार की सरकार है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि वो कह रहे है कि यमुना में जहर मिलाया है, लेकिन जल विभाग ने कहा कि केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं। शाह ने कहा कि केजरीवाल तीन सवालों के जवाब दें। पहली जहर की रिपोर्ट को सार्वजनिक करें, हम इसकी जिम्मेदारी लेंगे, दूसरी कौन सा जहर मिलाया गया इसका जवाब दें. तीसरा पानी रोकने का ऑर्डर बताएं. मंत्री ने कहा कि केजरीवाल ने भोला चेहरा बनाकर हरियाणा सरकार पर आरोप लगा, दिल्ली वालों को डराया है।

38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी हुए शामिल, बोले...

ओलंपिक की मेजबानी के लिए पूरा जोर लगा रहा भारत

एजेंसी/देहरादून

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी के संकल्प को दोहराते हुए मंगलवार को कहा कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये पूरा जोर लगा रहा है और देश में ओलंपिक होंगे तो वह न सिर्फ भारत में खेलों को नयी ऊंचाइयों पर ले जायेंगे बल्कि इनसे अनेक क्षेत्रों को गति मिलेगी। देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जैसे हमारे खिलाड़ी हमेशा बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं , वैसे ही हमारा देश भी बड़े संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा ओलंपिक सिर्फ एक खेल का आयोजन नहीं होता। दुनिया के जिन देशों में भी ओलंपिक होता है, वहां अनेक क्षेत्रों में विकास को गति मिलती है । खेलों का बुनियादी ढांचा खड़ा होने से रोजगार का सृजन होता है। नये बुनियादी ढांचे के तैयार होने से निर्माण, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र का विकास होता है।" मोदी ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी का भारत का इरादा मुंबई में 2023 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सत्र के दौरान व्यक्त किया था।

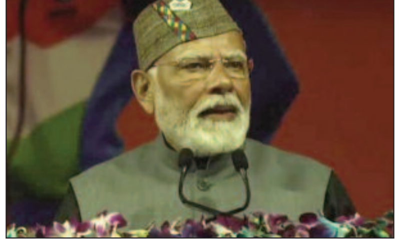

नए रिकॉर्ड बनेंगे, पुराने रिकॉर्ड टूटेंगेः भारतीय ओलंपिक संघ ने आईओसी को ओलंपिक की मेजबानी के इरादे का आशय पत्र सौंप दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों से ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आत्मसात करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, एक भारत, श्रेष्ठ भारत की बड़ी सुंदर तस्वीर यहां दिख रही है। यहां नये रिकॉर्ड बनेंगे, पुराने रिकॉर्ड टूटेंगे लेकिन मेरा आपसे आग्रह है कि जब आप यहां से जायें तो आपके पदक में भारत की एकता और श्रेष्ठता की चमक भी नजर आये। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों को आज भारत के विकास और युवाओं के आत्मविश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है और पिछले कुछ समय में भारतीय खिलाड़ियों का असाधारण प्रदर्शन इसकी बानगी देता है।

पूर्णिया में 580 करोड़ रुपए की 62 योजनाओं का सीएम ने किया शिलान्यास व उद्घाटन

हमारा उद्देश्य है कि हर प्रकार से हो बिहार की तरक्की : मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/पूर्णिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में पूर्णिया जिले के कृत्यानंद नगर प्रखंड पहुंचे। मजरा पंचायत के भवानीपुर गांव स्थित कामाख्या मंदिर प्रांगण से 580.87 करोड़ रुपए से अधिक की कुल 62 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि बिहार में हर प्रकार की तरक्की हो।

मुख्यमंत्री ने कृत्यानंद नगर प्रखंड की मजरा पंचायत के भवानीपुर ग्राम में विभिन्न विकासात्मक कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत अपशिष्ट प्लास्टिक के उपयोग से सड़क निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ली। जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत मां कामाख्या पोखरा के सौंदर्गीकरण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और इसका जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तालाब बहुत अच्छा बना है। लोग यहां आकर घूम सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के लाभुकों को मुख्यमंत्री ने चाबी और सांकेतिक चेक प्रदान की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने किलकारी बिहार बाल भवन, पूर्णिया के बच्चों द्वारा किए गए सृजनात्मक कार्यों पेंटिंग, चित्र प्रदर्शनी, अभिनय, नृत्य विधा, जूट आर्ट और सिक्की आर्ट के बने उत्पादों एवं विभिन्न सृजनात्मक कार्यों का अवलोकन किया। बच्चों के सृजनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब बहुत अच्छा सृजनात्मक कार्य कर रहे हैं, आप सब को बहुत-बहुत बधाई। फिर नीतीश कुमार ने विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वयं सहायता समूह की जीविका दीदियों की ओर से जीविकोपार्जन के लिए किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों और उत्पादों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में जब हमलोगों को बिहार में काम करने का मौका मिला तो हमने देखा कि यहां स्वयं सहायता समूहों की संख्या नाम मात्र की है। हमलोगों ने विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ानी शुरू की। हमने ही स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं का नाम 'जीविका दीदी' दिया, जिससे प्रेरित होकर तत्कालीन केंद्र सरकार ने इसका नाम 'आजीविका' किया। इससे बिहार की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। उनका पहनावा और बोलचाल भी काफी अच्छा हो गया है। वे लोगों से बेहिचक होकर बातें करने लगी हैं।

जाम से हाहाकार: 10 घंटा से अधिक महात्मा गांधी सेतु व जेपी सेतु समेत कई मार्ग बाधित

◆ एंबुलेंस, स्कूल बसें और यात्री वाहनों समेत सैकड़ों गाड़ियां फंसी रही

जाम से त्रस्त

केटी न्यूज/पटना

उत्तर बिहार में उत्तर बिहार में 10 घंटे से भी अधिक समय से जाम की समस्या ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। वैशाली जिले के हाजीपुर, महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु के जरिए पटना से जुड़ने वाले मार्गों पर भारी ट्रैफिक जाम लगा हुआ है। इस जाम के चलते एंबुलेंस, स्कूल बसें और यात्री वाहनों समेत सैकड़ों गाड़ियां फंसी हुई हैं। लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए पैदल यात्रा करनी पड़ रही है।जानकारी के मुताबिक, पटना में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते यातायात बाधित है। इसका असर उत्तर बिहार से आने-जाने वाले मार्गों पर दिखाई दे रहा है। महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु के साथ-साथ पुराने और नए गंडक पुल पर भी जाम की स्थिति गंभीर बनी हुई है।ट्रक चालक महेश कुमार ने बताया कि महात्मा गांधी सेतु पार करने में अब छह से आठ घंटे लग रहे हैं। छोटी गाड़ियों का भी यही हाल है। गाड़ियां शहर की गलियों से हाईवे तक तो पहुंच जाती हैं, लेकिन एनएच पर पहुंचते ही जाम में फंस जाती हैं।

हाजीपुर यातायात थाना प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन जाम को खत्म करने के लिए लगातार प्रयासरत है। हाजीपुर से पटना जाने वाली लेन में जाम अधिक गंभीर है, जबकि पटना से हाजीपुर आने वाले मार्ग पर गाड़ियां धीरे-धीरे चल रही हैं। वहीं, महात्मा गांधी सेतु पर जाम लगने के बाद लोग हाजीपुर के रामाशीष चौक होते हुए नए और पुराने गंडक पुल के जरिए पटना जाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन दोनों पुलों पर भी जाम लगने के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया। ट्रक चालकों का कहना है कि गाड़ियों को पुल पार कराने में घंटों लग जाते हैं। एक चालक ने बताया कि हम रात में फंस जाते हैं और अगले दिन दोपहर तक भी जाम से बाहर नहीं निकल पाते।पुलिस और यातायात विभाग स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने मेट्रो निर्माण के चलते मार्ग में होने वाली बाधाओं के समाधान के लिए वैकल्पिक उपायों पर भी काम करने का आश्वासन दिया है। फिलहाल, लोगों को जाम से राहत पाने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

बख्शीश मांगने पर पिटाई से गुस्साए किन्नरों ने थाने का किया घेराव

समस्तीपुर। समस्तीपुर के मुसरीघरारी थाना अंतर्गत हरपुर ऐलोथ गांव में पिछले दिनों बच्चे के जन्म के बाद नेग मांगने पहुंचे किन्नरों के साथ मारपीट की गई। इस घटना से आक्रोशित कई किन्नर मंगलवार को मुसरीघरारी थाने का घेराव करके प्रदर्शन करने लगे और हंगामा मचाने लगे। थाने के मुख्य द्वार को बंद कर पुलिस को अपनी जान बचानी पड़ी। दरअसल मामला कुछ दिन पहले थाना क्षेत्र के एक गांव का है जहां एक गृहस्वामी ने बच्चे के जन्म पर बधाई मांगने आये किन्नरों की एक टोली के साथ मारपीट किया गया था। इस दौरान कई किन्नर घायल हुए थे। जिसका इलाज समस्तीपुर सदर अस्पताल में कराया गया था। इस मामले में पुलिस द्वारा आरोपियों पर अब तक कोई कारवाई नहीं किये जाने से गुस्साएं सैकड़ो की संख्या में पहुंचे किन्नर समाज के लोगों ने मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बाजार सहित थाने पर हमला कर दिया और घंटों जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान पुलिस कर्मियों को भी खदेड़ दिया।

डर्टी डांस के लिए लाई गई 20 नाबालिग लड़कियां हुईं मुक्त

नालंदा। नालंदा में सरस्वती पूजा के नाम पर कुछ लोग आर्केस्ट्रा का आयोजन करवाने वाले थे। इसमें रात को नाबालिग लड़की से डर्टी डांस करवाने की तैयारी थी। इसके लिए 20 नाबालिग लड़कियों को यूपी, बंगाल, पंजाब और छत्तीसगढ़ से लाया गया था। लेकिन, कुछ सामाजिक संस्थाओं की टीम को इसकी भनक लग गई। टीम ने पुलिस की मदद से इन नाबालिग लड़कियों को छुड़वा लिया। वहीं पुलिस ने इस मामले में पत्नी पत्नी समेत चार आर्केस्ट्रा संचालकों को गिरफ्तार किया है। नाबालिग पंजाब, छत्तीसगढ़, बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली है।

डिप्टी सीएम ने तेजस्वी पर लगाया सड़क निर्माण में 26 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप

केटी न्यूज/पटना

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा द्वारा उठाए गए आरोपों ने राज्य में सड़कों के निर्माण और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर ये आरोप सही साबित होते हैं तो आने वाले समय में राजनीतिक तकरार भी बढ़ सकती है। विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि पथ निर्माण विभाग की ओर से बनाई गई सड़कों के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है और 26 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि गलत तरीके से भुगतान की गई है। यह गड़बड़ी तब हुआ जब तेजस्वी यादव इस विभाग के मंत्री थे। उन्होंने कहा कि राजा कंस्ट्रक्शन कंपनी और इन परियोजनाओं से जुड़ी अन्य कंपनियों की जांच होगी, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जा सके। अगर सड़कों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं, तो यह जनता की सुरक्षा और पैसों के गलत उपयोग को लेकर भी चिंताजनक है। विजय सिन्हा ने कहा कि गया, जमुआ और भिंडस की सड़कों के निर्माण में गड़बड़ी की गई है। इन परियोजनाओं को पूरा करने का काम राजा कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा गया था। डिप्टी सीएम ने कहा कि राजा कंस्ट्रक्शन के कामों की पूरी समीक्षा की जाएगी। लोगों ने शिकायत की है कि सड़क निर्माण में घटिया पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है। उन्होंने तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने वित्तीय गड़बड़ियां कीं और दोषी अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। इससे विभाग को भारी नुकसान हुआ।

गड़बड़ी करने वालों पर होगी कार्रवाई: डिप्टी सीएम ने बांका जिले के सुल्तानगंज में कांवरिया पथ निर्माण में हुई गड़बड़ी का भी जिक्र किया। पथ निर्माण विभाग के पूर्व और वर्तमान प्रोजेक्ट्स की जांच की जाएगी। सड़कों और पुलों का हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए आईआईटी और एनआईटी के इंजीनियरों की एक टीम गठित की जाएगी, जो विभाग की सभी योजनाओं की जांच करेगी। गड़बड़ी करने वालों और उन्हें संरक्षण देने वालों पर कार्रवाई होगी।

दरभंगा से फारबिसगंज जाने वाली ट्रेन में हुई परेशानी

ट्रेन का डीजल खत्म! चार घंटे तक हंगामे के बाद ईंधन का हुआ इंतजाम तो चली डीएमयू

केटी न्यूज/दरभंगा

दरभंगा में रेलवे से जुड़ी एक अजीबोगरीब खबर सामने आयी है। सोमवार रात दरभंगा से फारबिसगंज जाने वाली ट्रेन में डीजल की कमी के कारण यात्रियों को काफी फजीहत का सामना करना पड़ा। डीजल नहीं मिलने के कारण ट्रेन जंक्शन पर ही देर रात तक खड़ी रही। यात्रियों ने जब काफी हंगामा किया तो स्थानीय स्टेशन मास्टर के द्वारा वरीय अधिकारियों से बातचीत स्थानीय स्तर बातचीत के बाद डीजल की व्यवस्था के बाद डीएमयू ट्रेन डीजल भरकर देर रात ट्रेन के नियत समय से चार से पांच घंटे लेट ट्रेन खुली तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली। दरभंगा जंक्शन पर अधिकारियों द्वारा डीएमयू ट्रेन को डीजल का देने में आनाकानी और शिथिलता बरतने का खामियाजा आज दरभंगा से फारबिसगंज की तरफ जाने वाली ट्रेनों पर पड़ गया।

दरभंगा जंक्शन पर डीजल के अभाव में डीएमयू ट्रेन का परिचालन ठप हो गया है। दरभंगा से फारबिसगंज को जानेवाली ट्रेन दरभंगा जंक्शन स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर चार घंटे से ज्यादा समय से खड़ी है। जिस कारण ट्रेन में बैठे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। काफी मशक्कत के बाद रेल अधिकारियों से बातचीत के बाद स्थानीय स्तर पर डीजल की व्यवस्था का निर्देश स्टेशन मास्टर को दिया गया है। डीएमयू ट्रेन के इंजन को डीजल नहीं दिया जा रहा। ट्रेन में यात्रा करने वाले एक यात्री सरोज कुमार ने बताया कि हमलोग को फारबिसगंज जाना है। ट्रेन में डीजल नहीं रहने के कारण ट्रेन करीब चार घंटे से रुकी है। यहां स्टेशन मास्टर के द्वारा इस डीएमयू ट्रेन के इंजन को डीजल नहीं दिया जा रहा है। यह अभी एक मात्र ट्रेन है फारबिसगंज जाने के लिए। ठंड का मौसम है हमलोग परेशान हो रहे है। वहीं ट्रेन के इंजन चालक ने बताया कि ट्रेन में डीजल नहीं था जिस कारण ट्रेन काफी देर तक रुकी है। अब दरभंगा स्टेशन मास्टर के द्वारा डीजल की व्यवस्था की गई है। डीजल भरने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

मौनी अमावस्या पर शाही स्नान को देखते हुए यूपी प्रशासन ने लिया बड़ा फैसला

यूपी में नो इंट्री : बिहार में लगा महाजाम, पूरे दिन परेशान रहे वाहन चालक व आम राहगीर

♦ बक्सर पटना एनएच-922 पर लगा 50 किलोमीटर लंबा जाम

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में लगे महाकुंभ में शाही स्नान को देखते हुए एक तरफ यूपी प्रशासन सजग हो गया है। यातायात व्यवस्था को मद्देनजर यूपी प्रशासन ने भारी वाहनों के प्रवेश पर नो-इंट्री लगा दिया है। जिस कारण बक्सर से वीर कुंवर सिंह सेतु के रास्ते बलिया में प्रवेश करने वाले ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दिया गया है। इस कारण मंगलवार को बक्सर सहित आस पास के इलाकों में पूरे दिन महाजाम लगा रहा। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रकों की 50 किलोमीटर लंबी लाइन लग गई थी, जबकि बक्सर रोहतास मार्ग पर भी 10 किलोमीटर से अधिक लंबा जाम लगा था। इसके अलावे बक्सर शहरी क्षेत्र में भी पूरे दिन जाम से लोग परेशान रहे।

शाही स्नान के मद्देनजर यूपी में रोका गया है वाहनों का परिचालन : यूपी प्रशासन की माने तो महाकुंभ में बुधवार को शाही स्नान को देखते हुए भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। यूपी प्रशासन शाही स्नान को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए टैर्जफिक नियमों में कई बदलाव की है, जिसका खामियाजा बिहार में भुगतना पड़ा। इस दौरान स्कूली वाहन, एंबुलेंस आदि फंसे रहे। कई स्कूलों के छात्रों को अपना निर्धारित वाहन छोड़ पैदल ही अपने घर जाना पड़ा। जबकि शहरी इलाके में जाम के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था। पूरे दिन यह स्थिति बनी रही।

बुधवार को भी नहीं मिलेगी निजात : बुधवार को ही शाही स्नान होने वाला है। जिसे देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि बुधवार को भी जाम से निजात नहीं मिलेगी। इसे देखते हुए प्रशासन तैयारी में जुट गया हैं। इधर एनएच 922 पर आए दिन लगने वाले जाम से आम यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। लोगों ने इस समस्या के समाधान की मांग बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल से की है।

दूसरे रास्ते से वाहनों को पार कराते रही पुलिस

अचानक लगे महाजाम से जिला प्रशासन व पुलिस को भी फजीहत झेलनी पड़ी। वही पुलिस के जवान पूरे दिन टैर्जफिक कंट्रोल करते नजर आए। इस दौरान जाम में फंसे वाहनों को ग्रामीण क्षेत्र के रास्ते पार कराने का प्रयास किया जा रहा था। मसलन गोलंबर से जासो रोड, पड़री से मझरिया होते सिमरी पथ आदि मार्गों पर वाहनों को डायवर्ट कराया जा रहा था। टैर्जफिक प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि यूपी में नो-इंट्री जारी रहने तक बक्सर में भी भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए नो-इंट्री लगाने पर विचार किया जा रहा है। वही, बलिया प्रशासन से संपर्क कर टैर्जफिक व्यवस्था सुचारू करने का प्रयास किया जा रहा है।

चौसा-राजपुर सड़क की स्थिति इसका जीवंत उदाहरण : प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश जाने वाले बालू लदे ट्रक वीर कुंवर सिंह सेतू होकर उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करने के लिए अधिकांशतः ग्रामीण सड़कों का प्रयोग कर रहे है। बड़ी संख्या में बालू लदे ट्रकों के गुजरने से ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। चौसा-राजपुर सड़क की स्थिति इसका जीवंत उदाहरण है। इसके अतिरिक्त इन ट्रकों की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्राय जाम की स्थिति बन जा रही है। दिनारा (रोहतास) अथवा कोचरा (रोहतास) से होकर में ट्रक अंततः बक्सर शहर के बीचोंबीच होते हुए बक्सर गोलम्बर पहुंचते है। यहीं से ये वीर कुंवर सिंह सेतू होते हुए उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में प्रवेश करते हैं। इस क्रम में ये ट्रक बक्सर शहर की यातायात व्यवस्था को बुरी तरह बाधित करते हैं। शहर की सड़के भी इतनी भार क्षमता बर्दाश्त करने में सक्षम नहीं है। इसके अतिरिक्त इन ट्रकों के परिचालन से बक्सर में प्रायः स्कूली बच्चों के वाहन, रोगियों के एम्बुलेंस एवं ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों के याहन जाम में फंसने की सूचनाएं प्रायः प्राप्त होती रहती है। बक्सर में विभिन्न धार्मिक अवसरों पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी इससे बहुत कठिनाई होती है। जिससे अक्सर विधि-व्यवस्था की समस्या भी उत्पन्न होती रहती है।

केवल दलसागर बक्सर गोलम्बर वीर कुंवर सिंह सेतु मार्ग का प्रयोग करेंगे ट्रक चालक : इसे देखते हुए सदर एसडीएम धीरेन्द्र कुमार मिश्र ने वीर कुंवर सिंह सेतु होकर उत्तर प्रदेश की सीमा में जाने वाले बालू लदे ट्रकों के मालिकों व चालकों को निर्देशित किया है कि इसके लिए केवल-राष्ट्रीय राजमार्ग 922 दलसागर बक्सर गोलम्बर वीर कुंवर सिंह सेतु इसी मार्ग का प्रयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य किसी मार्ग से आने वाले बालू लदे ट्रकों को अनुमति नहीं दी जाएगी एवं यातायात नियमों के अधीन विधिसम्मत कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने यातायात व्यवस्था संधारण में लगे सभी पदाधिकारियों, कर्मियों एवं संबंधित थानाध्यक्षों को इस आदेश का अक्षरशः अनुपालन कराने का निर्देश दिया है।

प्रधानमंत्री आवास सर्वे में फर्जी मिले चार लाभुक, होगी कड़ी कार्रवाई

केसठ। प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित सभी योग्य लाभुकों के किए जा रहे सर्वेक्षण की भौतिक जांच मंगलवार को बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने कतिकनार गांव में की। जांच के दौरान बीडीओ ने आवास योजना से वंचित लाभुकों ,आवासीय घरों एवं उनकी आर्थिक स्थिति को देखा और उनसे सभी जानकारियां हासिल की। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनायी जा रही सूची में कतिपय अयोग्य लोगों के नाम गलत तरीके से शामिल किए जाने की जानकारी मिली। सर्वे के आधार पर बीडीओ ने कतिकनार गांव में इसकी भौतिक जांच की। जांच के दौरान चार अयोग्य लोगों का नाम पाया गया ।जिसे नाम हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के योग्य लाभुकों को आवास योजना की जानकारी नहीं है। ताकि वे भी योजना का लाभ लेने के लिए तत्पर हो सके तथा साक्ष्यों के साथ अपना दावा जमा कर सके। उन्होंने कहा कि सूची में अयोग्य लाभूकों के नाम पाए जाने पर सूची बनाने में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

24 घंटे में चार चोर गिरफ्तार देशी कट्टा एवं कारतूस बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर पुलिस ने चोरी के एक मामले का 24 घंटे में उद्भेदन करने के साथ ही इस घटना में शामिल चार चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के सामान के साथ ही एक देशी कट्टा, एक कारतूस व एक खोखा बरामद किया है। एसपी शुभम आर्य ने मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

गिरफ्तार चोरों में सैथूआ गांव निवासी कल्लू कुमार पिता छठू राजभर, राधेकृष्ण कुमार पिता सर्वजीत राजभर, अशोक कुमार पिता शैलेश राजभर व सरोज कुमार पिता कमलेश राम शामिल है। उनके पास से एक देशी कट्टा, एक कारतूस व एक खोखा भी मिला है। सभी सैथू गांव के ही रहने वाले है।

एसपी ने बताया कि 25 जनवरी की देर शाम राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव निवासी रामजी राम के पोल्ट्री फार्म से चोरों ने एक समरसेबल मोटर, तार, पंखा एवं अन्य कीमती सामानों की चोरी कर ली थी। पीड़ित पोल्ट्री फार्म संचालक ने 26 जनवरी को इसका एफआईआर राजपुर थाने में दर्ज कराया था। इसकी जानकारी मिलते ही सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर मामले के उद्भेदन का निर्देश दिया गया।

एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आस पास में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तथा तकनीकी तरीके से अनुसंधान शुरू किया। जिसमें इस घटना में सैथूआ गांव निवासी चोरों के शामिल होने की पुख्ता जानकारी हाथ लगी। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर सभी को पकड़ लिया। उनके पास से पोल्ट्री फार्म से चोरी गए सामान भी बरामद हुए है। एसपी ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है।

अफवाहों पर नहीं दें ध्यान: एसपी

केटी न्यूज/बक्सर

♦ बक्सर पुलिस का निर्णय... श्रद्धालुओं को नहीं होगी परेशानी

मौनी अमावस्या को लेकर मंगलवार की शाम से श्रद्धालुओं का आगमन शहर में शुरू हो गया है। इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि प्रसिद्ध रामरेखा घाट पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र गंगा में डूबकी लगायेंगे। इसे लेकर पुलिस ने विधि व्यवस्था पूरी दुरूस्त रखने का प्रयास किया है। प्रयास किया जा रहा है कि किसी तरह की परेशानी का सामना श्रद्धालुओं को नहीं करना पड़े।

शहर में अचानक बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए एसपी शुभम आर्य ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि किसी भी प्रकार की अफवान पर ध्यान नहीं दें। भीड़ में किसी भी श्रद्धालु को परेशानी होती है तब वह किनारे खड़े हो जाए। उनकी सहायता के लिए तत्काल पुलिस कर्मी पहुंच जाएंगे। इसके अलावा, श्रद्धालुओं के लिए कोई परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन ने एडवाइजरी भी जारी की है। सुरक्षा के लिए हर घाट पर क्यूआरटी टीम तैनात की गई है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचना है। वहीं दूसरी ओर विधि व्यवस्था को देखते हुए एसपी ने गोलंबर पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। बक्सर, जो यूपी और बिहार को जोड़ने वाला प्रमुख सेतु है, यहां शराब तस्करी और अन्य अपराधों की समस्या बनी रहती है। इस संदर्भ में एसपी ने सघन जांच अभियान चलाया, जो लगभग एक घंटे तक चला। इस दौरान यूपी और राष्ट्रीय राजमार्गों पर आने-जाने वाले वाहनों की सख्त जांच की गई। एसपी शुभम आर्य ने कहा कि अपराध नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए वाहन जांच अभियान चलाया गया।

मौनी अमावस्या पर शहर में होगी पुख्ता तैयारी

बक्सर। बुधवार को मौनी अमावस्या के अवसर पर विभिन्न घाटों तथा शहरी क्षेत्र में विधि-व्यवस्था संधारण के लिए एसपी ने निर्देश जारी किया है। एसपी ने अपने निर्देश में ऐसे मंदिर एवं स्नान घाटों पर जहां भीड़ एकत्रित होती है, वहां, विधि-व्यवस्था संधारण हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी व बल की प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया है। नदी घाटों पर आने-जाने वाले संकीर्ण रास्तों पर यातायात नियंत्रण एवं भीड़ की सहजता से आवागमन के लिए पर्याप्त संख्या में यातायात बलों की प्रतिनियुक्ति करने, साम्प्रदायिक तनाव वाले संभावित स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, मौनी अमावस्या पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के डूबने की घटनाएं होती है, घाटों पर एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के साथ गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया है।

कृषि कॉलेज के वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कैटफिश प्रजनन व पालन की विधि

कैटफिश का पालन उभरता हुआ व्यवसाय किसानों के लिए है अतिरिक्त आय का स्त्रोत

♦ डीएफओ व प्रभारी प्राचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम का उद्घाटन

केटी न्यूज/डुमरांव

कृषि महाविद्यालय में कैटफिश प्रजनन एवं पालन को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिला मत्स्य पदाधिकारी मनीष कुमार कॉलेज के प्राचार्य डा. रिजयाज अहमद संयुक्त व नोडल पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त कृषि वैज्ञानिक डॉ सुदय प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। वैज्ञानिक ने बताया कि किसानों की आय समृद्ध करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में बामेती की तरफ से चयनित 40 किसानों और 10 की संख्या में मौजूद एटीम और बीटीएम प्रशिक्षुओं को कैटफिश प्रजनन एवं पालन का प्रशिक्षण दिया गया।

किसानों को संबोधित करते हुए जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि कैटफिश प्रजनन एवं पालन एक उभरता हुआ व्यवसाय है, जो किसानों के लिए अतिरिक्त आय का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत बन सकता है। इसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। किसानों को बताया गया कि कैटफिश के प्रजनन के लिए नियंत्रित वातावरण आवश्यक है। इसमें नर और मादा मछलियों की पहचान, सही अनुपात में चयन, और प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करना शामिल है। उन्हें यह भी सिखाया गया कि कृत्रिम प्रजनन (हॉर्मोन इंजेक्शन) कैसे किया जाता है, ताकि उच्च गुणवत्ता वाले अंडे प्राप्त किए जा सकें। आयोजन में 10 जिलों के किसान प्रशिक्षण प्राप्त करने पहुंचे थे जिनमें शाहाबाद, गया, अरवल, सारण, सीवान और पटना सहित अन्य जिलों के किसान मौजूद रहें।

नोडल पदाधिकारी सह कृषि वैज्ञानिक डॉ सुदय प्रसाद ने बताया कि कैटफिश पालन में जल की गुणवत्ता, तापमान और ऑक्सीजन स्तर का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में किसानों को जैविक एवं कृत्रिम चारे के उपयोग, मछलियों की वृद्धि दर की निगरानी, और बीमारियों की पहचान एवं रोकथाम के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि कैटफिश एक तेजी से बढ़ने वाली मछली है, जो कम समय में अच्छी उत्पादन क्षमता देती है। इसे स्थानीय और बाहरी बाजारों में बेचा जा सकता है, जिससे किसानों को अधिक लाभ हो सकता है। इस प्रशिक्षण से किसानों को आत्मनिर्भर बनने और जल स्त्रोतों का सही उपयोग करने और अपनी आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा। पदाधिकारियों ने बताया कि किसानों की आय समृद्ध बनाने को लेकर यह ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

बक्सर किला मैदान में संपन्न हुआ एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन, 2025 में 225 पार का लगा नारा

प्रधानमंत्री मोदी व नीतीश के नेतृत्व में विकसित राज्य बनने जा रहा है बिहार: दिलीप जायसवाल

- एनडीए के सभी घटक दल मिलकर मजबूती से लड़ेंगे विधान चुनाव - उमेश कुशवाहा
- सम्मेलन में शामिल हुए जिला समेत आसपास के जिलों के भी कार्यकर्ता

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में मंगलवार को राष्ट्रीय जन तांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें एनडीए के सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष, प्रांत स्तरीय नेता व जिला स्तरीय पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, लोजपा के राजू तिवारी, रालोमो के मदन चौधरी तथा बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरूआत की। जबकि सम्मेलन की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह व संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने किया।

कार्यकर्ता सम्मेलन के उदघाटन के बाद स्थानीय नेताओं व कार्यकताओं ने सभी दलों के प्रदेश अध्यक्ष व अन्य प्रांतीय नेताओं का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सभी को एक बड़ा माला पहना एक साथ सम्मानित करने के साथ ही उन्हें अंग वस्त्र से भी सम्मानित किया गया।

मॉडल शहर बनेगा बक्सर : कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन की सरकार ने विकास के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित किए है। आने वाले समय में बिहार के साथ साथ बक्सर को विकसित बनाने का प्रयास चल रहा है। केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से बक्सर मॉडल शहर बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि शहर के साथ ही रेलवे स्टेशनों का विकास भी तेजी से हो रहा है।

2025 में पार होगा 225 : कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने अपने संबोधन में सरकार के कार्यों और उपलब्धियों को कार्यकर्ता और जनसमूह के बीच रखा और कहा कि आने वाले 2025 के विधानसभा का चुनाव एनडीए मजबूती से एक साथ लड़ेगी और इस बार 225 से भी अधिक सीट एनडीए के खाते में आएगा। उन्होंने कहा कि पुनः आप लोगों के सहयोग से एनडीए की सरकार बनेगी।

सम्मेलन को सम्बोधित करने वालों में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी शम्भू सिद्धार्थ एवं अशोक भट्ट ने भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को विकसित बनाने की बात की। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार की जनता विकास की राजनीति करने वालों तथा जाति की राजनीति करने वालों के बीच फर्क को समझ रही है।

कार्यकर्ता सम्मेलन को अनिल कुमार सिंह, राजू तिवारी, मदन चौधरी आदि ने भी संबोधित किया और कहा की एनडीए की चट्टानी एकता आने वाले विधानसभा में दिखेगी और हम सभी नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनाने जा रहें हैं। सम्मेलन के अंत में धन्यवाद ज्ञापन लोजपा जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से रामकुमार सिंह, विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, राजवंश सिंह, राणा प्रताप सिंह, केदारनाथ तिवारी पूर्व जिलाध्यक्ष, बलिराम कुशवाहा, विंध्याचल सिंह जिलाध्यक्ष, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव तिलकधारी पांडेय, चंद्रभूषण पांडेय, भाजपा नेता पंकज कुमार उर्फ शक्ति राय, दीपक यादव, रोहित सिंह, मुखिया सिंह कुशवाहा, संटू मित्रा, राहुल कुमार, रानी चौबे प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट, पूनम रविदास, निर्भय राय, मनोज पाण्डेय, इन्द्रजीत बहादुर सिंह, सौरभ तिवारी, जयप्रकाश राय, बिनोद राय, प्रमोद मिश्र, मिठाई सिंह, अजय भट्ट, अजय वर्मा, सोनू राय, लक्ष्मण शर्मा, सुनील कुमार, उमाशंकर राय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सम्मलेन में शामिल हुए सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष व कद्दावर नेता

विकसित राज्य की तरफ बढ़ रहा है बिहार: प्रदेश अध्यक्ष

सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि पहले के बिहार और आज के बिहार में अंतर आप महसूस करतें होंगे। पहले जहां अपराध व अपराधियों का बोलबाला था, वही आज लॉ एंड आर्डर की सरकार है। आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार चहुंमुखी विकास की धारा में बह चला है और बिहार एक विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित जनसमूह की ओर देखते हुए कहा की आपके चेहरे की रौनक बता रही है कि आपकी सरकार आज भी है और कल भी रहेगी। उन्होंने कहा कि 2025 का विधानसभा चुनाव भी एनडीए के सभी घटक दल पूरी मजबूती से लड़ेंगे तथा एक बार फिर से बिहार में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकारी बनेगी।

दियरांचल के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी

बक्सर। वहीं, कार्यक्रम में शामिल भाजपा के नेता सह व्यवसायी प्रदीप राय ने भी सम्मेलन में मंत्रियों का स्वागत किया। उन्होंने बक्सर जिला के विकास को लेकर मंत्रियों से वार्ता भी की। उन्होंने बक्सर जिले के गंगा दियारा इलाके के मुद्दों पर बात करते हुए कहा कि बक्सर के दियारा इलाके की जनता आज भी बाढ़ का विभीषिका का दंश झेल रही है। जिसका निदान निकालने के लिए बक्सर का विकास जरूरी है। और यह तभी संभव है जब प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नितिश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बेहद जरूरी है।

ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र में किसानों के लिए सबसे ज्वलंत मुद्दा कटाव का है। जिसमें नैनीजोर पंचायत के प्रपोधपुर डेरा से लेकर ढाबी तक के सैकड़ों एकड़ कृषि योग्य भूमि गंगा में विलीन चुकी है। जिसका सिलसिला अभी भी जारी है। जिसको लेकर प्रशासन और सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। वहीं, डुमरांव अनुमंडल से बलिया जिले के जनेश्वर मिश्र सेतु से जोड़ने के लिए तीन मार्ग है, जिनमें एक भी कारगर नहीं है। जिसके कारण बक्सर और बलिया के व्यापारियों और विक्रेताओं के बीच सामंजस्य नहीं बन पा रहा है। इस कारण जिले व्यापार के व्यापार को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। साथ ही, ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत 90 प्रतिशत ग्रामीण सड़के जर्जर हो चुकी हैं। जिससे आम लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एनडीए की सरकार आगामी दिनों में इन समस्याओं का निराकरण करेगी।

एक नजर

सुभासपा की बैठक में महिला जागरुकता महारैली को सफल बनाने पर चर्चा

डुमरांव। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रदेश इकाई की एक बैठक नगर के वार्ड संख्या 16 स्थित काली माता मंदिर बनकट में सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रदेश, जिला व मंडल स्तरीय सभी पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में राज हाई स्कूल के मैदान में विशाल महिला जागरूकता महारैली के सफल आयोजन पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में प्रस्ताव पारित कर 14 फरवरी को राज हाई स्कूल के मैदान में विशाल महिला जागरूकता महारैली के लिए तारीख सुनिश्चित किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव संतोष चौबे ने कहा कि जबतक राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चत नहीं होगी तब तक देश व प्रदेश का विकास अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि इस महारैली के आयोजन मकसद है कि समान शिक्षा, समान चिकित्सा पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जा सकें। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष उदय नारायण राजभर ने कहा कि ये महारैली ऐतिहासिक होगी। इसे सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता दमखम के साथ लगे है। बैठक में संगठन मंत्री संजय कुशवाहा, मैदान राजभर, जिला उपाध्यक्ष मुन्नी महेश राजभर, सत्यदेव राजभर, सुनील राजभर, राजकुमार राजभर समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विशेष भर्ती शिविर में पांच अभ्यर्थी हुए चयनित

केसठ। प्रखंड परिसर में श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय बक्सर के तत्वाधान में जीफोरएस कंपनी ने मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा की देखरेख में विशेष भर्ती शिविर का आयोजन किया। शिविर में क्षेत्र के आसपास के आधा दर्जन गांवों से सुरक्षा गार्ड एवं सुपरवाइजर पद के लिए 15 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लेने को लेकर आवेदन दिया था।इस दौरान भर्ती अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के ऊंचाई, वजन और शैक्षणिक कागजातों की जांच की। इसके उपरांत माप दंडों के आधार पर पांच अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया।भर्ती अधिकारी अवधेश तिवारी ने बताया कि चयनित सभी अभ्यर्थियों का 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद उन्हें विभिन्न स्थानों पर नियुक्त की जाएगी। मौके पर सरोज तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

वैना गांव के पास 66 लीटर महुआ शराब पुलिस ने किया बरामद, भाग निकले तस्कर

नावानगर। सोनवर्षा पुलिस ने केसठ-मड़िया नहर मार्ग स्थित वैना गांव के पास से 66 लीटर महुआ शराब बरामद किया है। वही पुलिस को चकमा देकर तस्कर भागने में सफल रहे। पुलिस तस्कर की पहचान करने की कोशिश में लगी हुई है। सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि सोमवार की देर शाम केसठ उक्त स्थान पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। तभी बाइक से शराब की खेप ले जा रहे तस्कर की नजर पुलिस गाड़ी पर पड़ी। जिसके बाद तस्कर ने शराब की खेप फेंक कर बाइक पीछे घुमाते हुए भाग निकला।

डीजे बजाने पर उसके संचालक व पूजा समिति के लाइसेंसधारी पर होगी कार्रवाई : थानाध्यक्ष

केटी न्यूज/नावानगर

सरस्वती पूजा को लेकर मंगलवार को स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें बीडीओ मनोज कुमार समेत क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी व पूजा समिति के सदस्यों ने हिस्सा लिया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने कहा कि सरस्वती पूजा आपसी सौहार्द व शांति पूर्वक मनाए।

पूजा के दौरान विधि व्यवस्था व शांति भंग करने वाले वैसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उनपर कानूनी कार्रवाई निश्चय ही की जाएगी। साथ ही उपस्थित पूजा समिति के सदस्यो से साफ तौर पर कहा कि पूजा के दौरान डीजे बजाना प्रतिबंध है। अगर पूजा व विसर्जन के दौरान डीजे बजाते पकड़े गए, तो डीजे संचालक व पूजा समिति के लाइसेंसधारी पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जुलूस में कोई धारदार हथियार नहीं होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों से कहा कि वगैर लाइसेंस के पूजा पंडाल व मूर्ति नहीं रखनी है। इसलिए सभी पूजा समिति को लाइसेंस लेना अनिवार्य है। बताया कि लाइसेंस लेने के लिए 31 जनवरी तक समय निर्धारित किया गया है। सभी समिति निर्धारित तिथि के पूर्व अपना लाइसेंस बनवा लें। वही बीडीओ ने उपस्थित लोगों व पूजा समिति के सदस्यों से शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील किया। साथ ही कहीं भी किसी तरह की गड़बड़ी का एहसास होने पर तत्काल इसकी थाना को देने की बात कही। बैठक में सरदार कुशवाहा, सुनील यादव, मुन्ना सिंह, भूलु सिंह समेत अन्य थे।

मोबाइल नहीं मिलने से फसल सर्वेयर को कार्य करने में हो रही परेशानी

केसठ। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना सरकार के निर्देश के आलोक में प्रखंड के विभिन्न पंचायत के गांवों में कृषि विभाग के तत्वावधान में रबी एवं खरीफ फसल सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य को लेकर किसान सलाहकार समेत अन्य कर्मी सर्वेयर के रुप में गांवों में किसानों के पास जाकर फसल सर्वेक्षण कर जानकारियां संग्रह रहे हैं। डिजिटल फसल सर्वेक्षण को लेकर सरकार ने मोबाइल एवं पावर बैंक अब तक नहीं दिया है और नहीं मोबाइल के लिए राशि दी गई ।ऐसी स्थिति में किसान सलाहकारों समेत अन्य कर्मियों को फसल सर्वेक्षण का कार्य करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सर्वेयर जैसे- तैसे किसी तरह अपने निजी मोबाइल से कर रहे हैं। परंतु मोबाइल की क्षमता अधिक नहीं होने के कारण हैंग कर जा रहा है। जिससे सर्वेयर के मेहनत पर पानी फिर रहा है। ऐसी स्थिति में फसल सर्वेक्षण करने वाले सर्वेयर को परेशानी हो रही है। उन्होंने सरकार से मोबाइल या फिर मोबाइल की राशि देने को लेकर मांग किया है। फसल सर्वेक्षण का मकसद, किसानों और उनकी फसलों से जुड़े आंकड़ों का एक सटीक स्रोत बनाना है।

खुशखबरी : डुमरांव के अभिषेक तिवारी का अनुमंडल कृषि पदाधिकारी के पद पर चयन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के हरिजी के हाता निवासी अभिषेक तिवारी का चयन बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएसएसी) द्वारा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी के पद पर किया गया है। इन्हें परीक्षा में 55 वां रैंक मिला है। रिजल्ट जारी होते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है।

वे मूलरूप से नावानगर प्रखंड के आथर गांव के रहने वाले है तथा पिछले कुछ वर्षो से अपने परिवार के साथ डुमरांव के हरिजी के हाता में रहते है। उनके पिता श्याम नारायण तिवारी उर्फ सुमन के साथ ही पूरा परिवार इस सफलता पर आह्लादित है। वे वर्तमान में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर से मृदा विज्ञान में पीएचडी कर रहे हैं।

हाल ही में उन्हें भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा इनोवेशन इन साइंस फेलोशिप प्रदान की गई है। इस फेलोशिप के तहत उन्हें प्रति माह 42 हजार रुपये के साथ एचआरए की धनराशि भी प्राप्त होगी। अभिषेक ने अपनी स्नातकोत्तर की शिक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी से मृदा विज्ञान में की और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित हुए हैं।

चौसा में 16 घंटे से विद्युत आपूर्ति ठप

चौसा। बक्सर-चौसा मार्ग पर चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के बारा मोड़ के पास टर्निंग पर सोमवार की रात्रि अंधेरे में किसी अज्ञात ट्रक ने विद्युतीय पोल में टक्कर मार दी और भाग गया। इस टक्कर में जहा विद्युत पोल के साथ ग्यारह हजार वोल्ट के केबल टूटने से दर्जनों गांव की विद्युत आपूर्ति ठप पड़ गई। हालांकि, मंगलवार की सुबह से विद्युत विभाग द्वारा मरम्मत का कार्य शुरू किया, लेकिन 16 घंटे बीतने के बाद भी बिजली आपूर्ति शुरू न हो सकी है। ग्रामीणों ने बताया कि यह घटना लगभग ग्यारह बजे के आसपास हुई।

दो फरवरी बसंत पंचमी को होगा ज्ञान और विद्या की देवी का पूजन

मां सरस्वती की प्रतिमा को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार

केटी न्यूज/डुमरांव

बसंत पंचमी 2 फरवरी माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जायेगी। यह उत्सव ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित हैं। सरस्वती पूजा की तैयारी शुरू हो गयी है। मूर्तिकार मां की प्रतिमा को संवारने और अंतिम रूप देने में जुट गये है। पूजन करने वाली समितियों की ओर से प्रतिमा की बुकिंग भी शुरू हो गयी है।

मूर्तिकार अपने परिजनों के सहयोग से छोटे-बड़े अलग-अलग डिजाइनों की प्रतिमा बनाकर खरीदारों को आकर्षित करने में जुटे है। स्थानीय शहर के खिरौली मोड़, पुराना धर्मशाला, कुम्हार टोली आदि जगहों पर वीणावादिनी की प्रतिमा बनायी जा रही है। मूर्तिकार शिव पाल, धीरेंद्र ने बताया कि सबसे अधिक कमल व हंस पर बनी प्रतिमा की डिमांड है। इसके अलावे सिंहासन और शंख का आकार बनाकर अपनी कलाकृति के जरिये प्रतिमाओं को नई लुक दे रहे है। मूर्तिकारों की माने तो अपनी कलाओं के दम पर परिवार का भरण-पोषण चलता है। इस बार मिट्टी और रंगों के महंगे होने से मूर्ति बनाने में अधिक पूंजी लग रही है। इस साल 5000 से लेकर 15000 तक की मूर्ति बनायी गयी है। 8 से 10 हजार रुपये वाली प्रतिमाओं की अधिक मांग है।

ज्ञान और शांति का संदेश लेकर आता हैं बसंत पंचमी: बसंत पंचमी प्रकृति और बसंत ऋतु के आगमन का उत्सव है। यह ज्ञान और शांति का संदेश लेकर आता है। इस दिन लोग पीले कपड़े पहनते है और विभिन्न तरह के पकवान बनाकर आनंद मनाते है। विद्या और बुद्धि की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा घरों व शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है। बसंत पंचमी का महत्व केवल पूजन तक सीमित नहीं हैं। बल्कि, यह नये उत्साह और रचनात्मकता का प्रतीक भी है। यह संगीत, कला और शिल्पकला की देवी भी मानी जाती है। यह दिन अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन शिशुओं को पहला अक्षर लिखना सिखाकर मां सरस्वती के आशीर्वाद से विद्या की शुरूआत कराते है।

पूजन का शुभ मुहूर्त

आचार्य पं. विंध्याचल ओझा ने बताया कि पंचांगों के अनुसार बसंत पंचमी माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पड़ता है। यह तिथि 2 फरवरी को सुबह 9 बजकर 14 मिनट से शुरू होगी और 3 फरवरी को 6 बजकर 52 मिनट में समाप्त होगी। चूंकि त्योहार सूर्योदय के आधार पर मनाया जाता है। इसलिए 2 फरवरी को मां सरस्वती की पूजन का शुभ समय है।

संक्षिप्त समाचार

दलमा वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी के गेट पर पर्यटकों का स्वागत करेंगे विशालकाय हाथी

जमशेदपुर, एजेंसी। दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी का लगातार विकास चल रहा है। इसके इंट्री प्वाइंट को सजाया और संवारा जा रहा है। इसके तहत एक बड़ा स्ट्रक्चर हाथी का गेट पर लगाया जा रहा है। इसको लेकर क्रेन की मदद से इस बड़े हाथी को यहां खड़ा किया गया। आगंतुकों के लिए यह हाथी तैयार किया गया है, ताकि लोग यहां खड़ा होकर सेल्फी ले सके। इसको दो क्रेन की मदद से एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। इंट्री प्वाइंट में ही इसको स्थापित किया जा रहा है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में लगातार आगंतुकों की संख्या बढ़ी है। इस वजह से इसको नये सिरे से तैयार किया जा रहा है।

लुगू पहाड़ के जंगल से युवती का शव बरामद

महुआटांड़, एजेंसी। ललपनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत लुगू पहाड़ जंगल में रविवार को एक युवती (17 से 19 वर्ष) का शव मिला है। मृतका की पहचान नहीं हो पायी है। उसका चेहरा पत्थर से कुचल दिया था। सूचना पर महुआटांड़ थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और छानबीन की। शव दोरबार चट्टानी स्थित लुगू बुरु मार्ग के तोरणद्वार से करीब एक किमी आगे पहाड़ी के ऊपर मार्ग से बायीं ओर करीब 50 मीटर अंदर जंगल में था। अनुमान है कि हत्या दो-तीन दिन पहले की गयी है। शव के पास से एक पत्थर बरामद किया गया, जो खून से लथपथ है। दुष्कर्म की आशंका भी जतायी जा रही है। शव के पास से शराब और पानी का बोतल, ग्लास, दो मोबाइल चार्जर और गुलाबी रंग का एक लेडीज बैग बरामद किया गया है। पुलिस ने पंचनामा बना कर शव अपने कब्जे में लिया और पहाड़ी से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव को बीजीएच बोकारो के मर्चरी में रखवाया गया है।

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत, चचेरा भाई गंभीर

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना अंतर्गत जीटी रोड रतनपुर के समीप हुई सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार इंजमाम अंसारी (25) की मौत हो गयी। जबकि उसका चचेरा भाई शहबाज अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जीटी रोड पर रतनपुर में खालसा होटल के पास सोमवार की सुबह 9।30 बजे हुई। मृतक गोविंदपुर थाना क्षेत्र के सरकारडीह गांव निवासी मोनाजरुल अंसारी का पुत्र था। मोनाजरुल सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापक है। मृतक की शादी नहीं हुई थी। वह मटियाला पंचायत के पूर्व मुखिया मोजाहिद अंसारी के पुत्र शहबाज अंसारी के साथ बाइक से पंचेत पावर हाउस ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक एक ट्रेलर की चपेट में आ गये। मौके पर ही इंजमाम की मौत हो गयी। वहीं उसके साथ बैठा चचेरा भाई शहबाज घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर दिया है। गोविंदपुर के थाना प्रभारी मो रुस्तम अली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान पूर्व मुखिया मोबिन अंसारी, मोजाहिद अंसारी व जाकिर अंसारी, बेलाल अंसारी, मोकीम अंसारी, अताउल अंसारी आदि पहुंचे। मोबिन अंसारी ने अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे से बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकारी प्रावधान के अनुसार मृतक के परिवार को पूरी सहायता दी जायेगी। इसके बाद सड़क जाम हटा। रोड जाम लगभग एक घंटा तक रहा। जाम में कई एंबुलेंस भी फंसे थे।

कोहिनूर मैदान वेंडिंग जोन के 172 दुकानों का रजिस्ट्रेशन रद्द, नये सिरे से होगा आवंटन

धनबाद, एजेंसी। कोहिनूर मैदान स्थिति वेंडिंग जोन में आवंटित 172 दुकानों का आवंटन रद्द कर दिया गया है। अब नये सिरे से दुकानों को आवंटन होगा। वेंडिंग जोन के आसपास फुटपाथ दुकानदारों को प्राथमिकता दी जायेगी। नगर निगम अधिकारी के मुताबिक वेंडिंग जोन में 192 दुकानें है। इसमें 172 दुकानों को आवंटित किया गया था। 11 माह में दुकानों का नवीकरण करना था, लेकिन दुकानदार शिफ्ट नहीं हुए। इस वजह से उन्होंने दुकानों का नवीकरण नहीं कराया। लिहाजा 172 दुकानों का आवंटन रद्द कर दिया गया। वेंडिंग जोन की इंट्री प्वाइंट को लेकर थोड़ी समस्या आ रहा है। कोर्ट रोड से वेंडिंग जोन के मुख्य द्वार तक 20 फीट की सड़क बनाने की कवायद चल रही है। उपायुक्त से इस संबंध में बातचीत चल रही है। जल्द ही इसका निराकरण हो जायेगा।शहर की सड़कों के किनारे की सभी फुटपाथ दुकानों को वेंडिंग जोन में शिफ्ट कराया जायेगा। यहां 192 दुकानें है। इसके अलावा वेंडिंग परिसर में खाली जमीन पर भी फुटपाथ दुकान लगवाने पर विचार किया जा रहा है। वेंडिंग जोन में हर सेगमेंट की दुकानें लगायी जायेगी। इसकी सूची तैयार की जा रही है। फल, सब्जी के अलावा मांस-मछली-अंडा की भी दुकानें होगी। वेंडिंग जोन के खाली परिसर में खाने-पीने के स्टॉल भी लगाये जायेंगे।कोहिनूर मैदान स्थित वेंडिंग जोन को नये सिरे से चालू कराया जा रहा है। इसका ब्लू प्रिंट तैयार किया जा रहा है।

एनएसयूआइ ने रांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

रांची, एजेंसी। नीड बेस्ड, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए इतिहास एवं राजनीति विज्ञान के मेरिट लिस्ट को शुद्ध कर जल्द सभी आवेदकों के नाम को मेरिट लिस्ट सूची में जोड़कर एवं मेरिट लिस्ट निकालने की मांग तुल पकड़ती जा रही है। इसे लेकर सोममार को एनएसयूआइ प्रतिनिधिमंडल ने रांची विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ। गुरु चरण साहू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंजल ने कुलसचिव को नीड बेस्ड साक्षात्कार एवं नियुक्ति संबंधी ज्ञापन सौंपा।

दुर्भाग्य है कि छात्रों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार को जेपीएससी और जेएसी के मुद्दे पर घेरा

रांची, एजेंसी। जेपीएससी और झारखंड एकेडमिक काउंसिल दोनों ही महत्वपूर्ण आयोग में अध्यक्ष का पद खाली है। जेपीएससी चेयरमैन का अध्यक्ष का पद तो बीते 6 माह से खाली है। जबकि जैक अध्यक्ष का कार्यकाल भी हाल ही खत्म हुआ है। अब इस मामले में बाबूलाल मरांडी ने भी राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि छात्र हित और रोजगार सृजन किसी भी सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन छात्रों का दुर्भाग्य है कि ऐसी अनिश्चितता का सामना करना पड़ा रहा है।

बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जैक अध्यक्ष का पद खाली होने के कारण लाखों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। करीब 21 लाख छात्र, जिनकी मैट्रिक- इंटर और अन्य बोर्ड परीक्षाएं तय समय पर होनी चाहिए थीं, वो जैक अध्यक्ष का पद रिक्त होने की वजह से बाधित हो सकती है। यदि समय पर परीक्षाएं नहीं हुईं, तो छात्रों को अगले शिक्षण सत्र में नामांकन लेने में भी काफी परेशानी होगी।

बाबूलाल मरांडी ने आगे लिखा कि इसी तरह जेपीएससी अध्यक्ष का पद भी पिछले वर्ष अगस्त से रिक्त है, जिससे कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं लंबित हैं। हजारों अभ्यर्थी मानसिक और आर्थिक दबाव में हैं। वर्षों की मेहनत और तैयारी के बावजूद ये अभ्यर्थी अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि वे जल्द से जल्द रिक्त पदों पर नियुक्ति सुनिश्चित करें।

जैक बोर्ड 2025 : 21 लाख से अधिक बच्चों की तैयारियां हो रही हैं प्रभावित, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद है खाली

रांची, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) में 18 जनवरी को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से उक्त दोनों पद खाली पड़े हैं। इस वजह से जैक द्वारा प्रस्तावित परीक्षाओं के आयोजन पर संशय खड़ा हो गया है। 8वीं से 12वीं तक होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में 21,84,248 बच्चों को शामिल होना है। परीक्षा के आयोजन पर संशय से इन बच्चों की परीक्षा की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं।

अपरिहार्य कारण बताते हुए जैक ने 8वीं और नौवीं की परीक्षाएं स्थगित कर दी है। अब 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा के आयोजन को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। मैट्रिक बोर्ड का एडमिट कार्ड 25 जनवरी से डाउनलोड होना था, जो सोमवार तक डाउनलोड नहीं हो सका। वहीं, 12वीं (इंटर) की वार्षिक परीक्षा के 28 जनवरी से एडमिट कार्ड डाउनलोड होना है।

आशंका है कि 12वीं का भी एडमिट कार्ट डाउनलोड नहीं हो पायेगा। बताया जाता है कि अगर प्रवेश पत्र निर्धारित समय में डाउनलोड नहीं होता है, तो परीक्षा संबंधी कई समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं और परीक्षा बाधित होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रवेश पत्र का मिलान शिक्षण संस्थान अपने रिकॉर्ड से करते हैं कि किसी विद्यार्थी का प्रवेश पत्र छूटा तो नहीं है, किसी में त्रुटि तो नहीं है। इसका संधारण पंजी में किया जाता है और संबंधित छात्र-छात्राओं को दिया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में समय लगता है। सीबीएसइ, आइसीएससी की भी परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। इंजीनियरिंग, मेडिकल सहित बहुत सी परीक्षाएं होनेवाली हैं। अगर परीक्षा तिथि में बदलाव होगा, तो अन्य परीक्षाओं की तिथि से टकराव होने की आशंका बढ़ जायेगी।

झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी: खाने में निकला चूहा, 20 छात्राओं को हुई उल्टी, दो रिम्स में भर्ती

रांची, एजेंसी। सेंट्रल यूनिवर्सिटी रांची (सीयूजी, रांची) के हॉस्टल में रह रहे छात्रों के लिए 27 जनवरी की रात कभी ना भूलने वाली रात साबित हुआ। रात के खाने में मरा हुआ चूहा निकला। खाना खाने के बाद हॉस्टल के 20 छात्रों को उल्टी होने लगी। 2 छात्रों की स्थिति खराब होने पर उन्हें इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है।

खाना में मरा हुआ चूहा निकलने के बाद छात्र गुस्से में आ गए। आक्रोशित छात्रों ने रात के 1।00 बजे तक हंगामा किया। छात्रों ने तोड़फोड़ की। आक्रोशित छात्र एडमिन ब्लॉक के सामने धरने पर बैठ गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस हॉस्टल पहुंची। पुलिस ने हॉस्टल के मेस सुपरवाईजर पूरन महतो को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के समझाने पर छात्रों ने धरना समाप्त किया।

छात्रों का कहना है कि भोजन के लिए वह प्रति माह 2600 रुपया देते हैं। बदले में खराब भोजन परोसा जाता है। सोमवार की रात भी करीब 8।00 बजे छात्रों को भोजन परोसा गया। कुछ छात्र खाना खा रहे थे। इसी दौरान खाने से मरा हुआ चूहा का बच्चा निकला। जिसके बाद छात्रों ने भोजन करना बंद कर दिया। सीयूजी रांची में अव्यवस्था की यह पहली खबर नहीं है। इससे पहले भी सीयूजी रांची के हॉस्टल में अव्यवस्था की खबरें आती रही हैं। छात्रों के द्वारा भी सीयूजी प्रशासन को लगातार शिकायत की जाती है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाती है।

नहीं मिल रहे 2500 रुपये, मंईयां सम्मान योजना में आई दिक्कत

साहिबगंज/गोड्डा, एजेंसी। बोरियो प्रखंड की मदनशाही पंचायत के कबूतरखोपी की दर्जनों महिलाएं मंईयां सम्मान योजना के लाभ से वंचित हैं। दर्जनों महिलाओं ने बीडीओ से मिलकर अपनी शिकायत की।

किरण देवी ने बताया कि उसने मंईयां सम्मान योजना के तहत 12 अगस्त 2024 को आवेदन किया था, जिसकी प्राप्ति रसीद भी है, लेकिन छह माह बीत जाने के बावजूद अब तक एक भी माह की राशि उपलब्ध नहीं हो सकी है।

मिनती देवी, किरण देवी व बबली देवी ने बताया कि बीते कई माह से प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही हैं, लेकिन कोई आश्वासन नहीं मिल रहा है। कबूतरखोपी से बोरियो प्रखंड आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पैसा भी खर्च होता है।

नाजरीना खातून ने कहा कि कई बार प्रखंड आकर शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सकीना खातून ने कहा कि जब सरकार को मंईयां सम्मान योजना के तहत लाभ नहीं देना था तो इसे बंद कर देना चाहिए।

गोड्डा के प्रखंड सभागार में सोमवार को बीडीओ सह सीओ अभिनव कुमार ने दो अलग-अलग बैठक की। पहली बैठक मुखिया, पंचायत सचिव व आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ की। इसमें मंईयां सम्मान योजना के सत्यापन के प्रगति कार्य पर विस्तार से चर्चा की। सत्यापन का कार्य अब तक शत प्रतिशत पूरा नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया।

इसे लेकर और अतिरिक्त तीन दिन का समय दिया गया। साथ ही किसी भी परिस्थिति में यहां की बेटी जो ब्याह कर ससुराल चली गई है। उसका सत्यापन नहीं करने की नसीहत दी। साथ ही पंचायत सचिव को हीं आवश्यक दस्तावेज में राशन कार्ड, वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड और निवासी प्रमाण पत्र के रूप में मुखिया और ग्राम प्रधान से अनुशंसित पत्र के साथ हीं सत्यापन करने का निर्देश दिया।

इसमें आंगनबाड़ी सेविका और मुखिया से केवल सहयोग लेने की बात कही। आंगनबाड़ी सेविका द्वारा सत्यापन के नाम पर लाभार्थियों से अपने पास दस्तावेज जमा लेने की शिकायत पर कहा कि सेविका के पास दस्तावेज जमा नहीं करना है। बल्कि प्रपत्र पर सेविका से पहचान कराने के उपरांत हर हाल में पंचायत सचिव से ही सत्यापन करने का निर्देश दिया।

सेविका के पास दस्तावेज जमा कराने वाले पंचायत सचिव को कडी फटकार लगाते हुए अपनी कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया। कहा कि हर हाल में पंचायत सचिव को ही मंईया सम्मान योजना के लाभार्थी का सत्यापन करना है। दूसरी बैठक मुखिया और पंचायत सचिव के साथ की।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और उसकी पत्नी रिया की संपत्ति जब्त करने की तैयारी में पुलिस और एटीएस

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस और एटीएस (एंटी टेररिस्ट स्क्वाड) जेल में बंद गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और उसकी पत्नी समेत गैंग के सदस्यों और करीबी लोगों की संपत्ति की जानकारी जुटा रही है। अलग-अलग जगहों पर किये गये निवेश का ब्यौरा जुटा रही है। पुलिस और एटीएस को मिली जानकारी के मुताबिक सुजीत सिन्हा और उसकी पत्नी रिया सिन्हा ने रांची,पलामू, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार जिले में संपत्ति खरीदी है। यह संपत्ति रिया सिन्हा और गैंग से जुड़े लोगो के नाम पर खरीदी गई है। जिसमें कुछ सफेदपोश लोग भी शामिल है।

सुजीत की पत्नी के नाम रांची के पॉश इलाके में आलीशान फ्लैट

पुलिस को यह जानकारी मिली है कि सुजीत सिन्हा गैंग ने रंगदारी और लेवी से मिली बड़ी राशि को जमीन और अन्य अचल संपत्ति में निवेश किया है। सुजीत की पत्नी के नाम पर रांची के पॉश इलाके में एक आलीशान फ्लैट है और उसके नाम पर कई बैंक अकाउंट भी हैं। उन बैंक अकाउंट के जरिये हुए ट्रांजेक्शन की डीटेल पुलिस निकाल रही है। संपत्ति की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और एटीएस सभी संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई कर सकती है।

कोयला,जमीन और रियल स्टेट कारोबारी, ट्रान्सपोर्टर संगठित आपराधिक गिरोहों के निशाने पर

दरअसल झारखंड में कोयला कारोबारी,ज़मीन और रियल स्टेट कारोबारी और ट्रान्सपोर्टर संगठित आपराधिक गिरोहों के निशाने पर हैं। राज्य के रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार सहित अन्य जिलों के कोयला कारोबारियों को लगातार धमकियां मिल रही हैं। रंगदारी नहीं देने पर उन पर गोलियां भी चलाई जा रही हैं। इससे व्यवसायियों में दहशत हैं। ऐसे में संगठित आपराधिक गिरोह की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

फिटजी कोचिंग सेंटर के बंद होने से झारखंड के दो हजार बच्चों का भविष्य अधर में, अभिभावकों के करोड़ों रुपये डूबे

रांची, एजेंसी। देश भर के फिटजी कोचिंग सेंटर रातों रात बंद हो गये। राजधानी में भी इसके दो ब्रांच थे, वह भी बंद हो चुके हैं। इससे राज्य के दो हजार का भविष्य अधर में लटक गया है। यह खबर ऐसे समय में आयी है, जब आईआईटी जेईई की परीक्षा चल रही है। फिटजी के अचानक बंद होने से कई विद्यार्थियों और उनकेभ अभिभावकों को तगड़ा झटका लगा है। ये लोग लाख रुपये की फीस का भुगतान कर चुका हैं।

अब रांची के फिटजी कोचिंग सेंटर्स पर अपने बच्चों को पढ़ा रहे अभिभावकों को समझ में नहीं आ रहा है कि अब बच्चे के आगे की पढ़ाई कैसे होगी। कोचिंग सेंटर्स को जो फीस एडवांस में दी गयी है, उसका क्या होगा? फिटजी के बंद होने से यहां पढ़ा रहे अभिभावकों के करोड़ों रुपये डूब गये हैं।

रांची में फिटजी के दो सेंटर संचालित थे, जहां अभिभावकों ने लाखों रुपये देकर बच्चे का नामांकन कराया था। अब बड़ा सवाल है कि अब उनके पैसों? क्या होगा? अब तक फिटजी प्रबंधन की ओर से कोई भी अधिकारिक बयान नहीं आया है।हद तो तब हो गयी, जब बच्चों से लाखों रुपये की फीस लेने केभ बाद बिना किसी नोटिस केभ सेंटर पर ताला लटका दिया गया है। किसी केभमां-बाप ने लोन लेकर फीस भरी है, तो किसी ने अपनी पूरी कमाई बच्चों की पढ़ाई में झोंक दी। ऐसे ही कुछ अभिभावकों से बात की गयी, तो उनका कहना था कि कोचिंग सेंटर शुरू होगा या नहीं और शुरू होगा तो कब होगा, इसकी कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी जा रही है। इस स्थिति में बच्चों के साथ अभिभावकों की भी बेचैनी भी बढ़ गयी है। कई अभिभावक ऐसे भी हैं, जिनकेभ बच्चों ने एक भी क्लास नहीं की, लेकिन वह फीस पूरी दे चुके हैं।

मंत्री दीपिका पांडेय ने बासुकीनाथ मंदिर में की श्रृंगार पूजा

दुमका, एजेंसी। झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बासुकीनाथ मंदिर में फौजदारीनाथ की श्रृंगार पूजा की। पूजा के बाद उन्होंने भोलेनाथ की आरती भी की। पुरोहितों ने पूरे विधि-विधान से पूजा कराई। बाबा के पूजन-अनुष्ठान के बाद मंत्री ने माता पार्वती, मां काली व माता बगलामुखी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। मंदिर के पंडा कुंदन झा व सारंग झा ने मंत्री को बाबा बासुकीनाथ की फोटो भेंट की। मौके पर पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, बीडीओ कुंदन भगत, सीओ संजय कुमार, नगर परिषद के प्रशासक अजमल हुसैन, कार्यपालक पदाधिकारी शैलेंद्र सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धनबाद ने गुमला, हजारीबाग ने सिमडेगा व रांची ने लोहरदगा को हराया

धनबाद, एजेंसी। जेएससीए अंतर जिला अंडर-19 एलीट क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत सोमवार को धनबाद की धमाकेदार जीत के साथ हुई। रांची के उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी मैदान में खेले गए ग्रुप बी के मैच में धनबाद ने गुमला को आठ विकेट से हराकर पूरे अंक प्राप्त किये। इधर धनबाद में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में हजारीबाग ने सिमडेगा को दो रन से और रांची ने लोहरदगा को सात विकेट से हराया।

टूर्नामेंट के पहले दिन धनबाद के विरुद्ध टास जीतकर गुमला ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन उसकी पूरी टीम 33।4 ओवर में केवल 57 रन पर ढेर हो गयी। आशीष कुमार (72 गेंदों में 27 रन) ही ऐसे बल्लेबाज रहे जो दहाई का आंकड़ा छू सके। इधर धनबाद के राजवीर सिंह ने 17 रन पर तीन विकेट लिये। आशीष कुमार सिंह ने 16, हसन आसिफ ने 12 और एकलव्य सिंह ने पांच रन देकर दो-दो विकेट चटकाये। बाद में धनबाद ने 10।1 ओवर में दो विकेट गंवाकर 58 रन बना लिये और मैच आसानी से जीत लिया। सिद्धार्थ सिन्हा 24 और कृत कमल सिंह दो रन बनाकर अविजित रहे। वहीं अभिषेक कुमार 25 रन बनाकर आउट हो गये। राजवीर सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वहीं धनबाद के टाटा डिगवाडीह स्टेडियम में सोमवार को खेले गये रोमांचक मुकाबले में हजारीबाग ने सिमडेगा को दो रन से हरा दिया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित की गई हजारीबाग की टीम 49 ओवर में 238 रन बनाकर आउट हो गयी। अमनीश कुमार ने 65, शमी अख्तर ने 34, प्रभात कुमार ने 32, शिवांश ने 27 और अजय कुमार ने 24 रन बनाये। सिमडेगा के राजवीर सिंह सिसोदिया ने 53 पर चार, हर्ष कुमार ने 53 पर तीन और दीपांशु रावत ने 51 पर दो विकेट लिये। सिमडेगा के लिए सौरभ कुमार ने 111 गेंदों में 109 रनों की जोरदार शतकीय पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

सौरभ ने पहले कृष शर्मा (41 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 और फिर निखिल राज (53 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 50 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। उनके आउट होते ही टीम 48।4 ओवर में 236 रनों पर धराशायी हो गई। हजारीबाग के राहुल रजक ने 41 रन पर पांच विकेट झटके और प्लेयर आफ द मैच बने। वहीं अश्वनी कुमार, सूरज कुमार यादव और प्रभात कुमार को एक-एक विकेट मिला।

अवैध कोयला पर रंगदारी व वर्चस्व को ले छह राउंड होली, एक गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। गोपीनाथपुर में कोयले के अवैध कारोबार में रंगदारी व वर्चस्व को लेकर शनिवार की देर रात मुगमा रेलवे फाटक स्थित हटिया मैदान में छह राउंड गोलियां चली। किसी के हताहत की सूचना नहीं है। सूचना पाकर पहुंची निरसा पुलिस ने रॉकी यादव नामक युवक को खदेड़ कर खुदिया नदी के जंगल से पकड़ा। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है। दोनों गुटों के बीच तनाव बना हुआ है। बताया जाता है कि भालूकसूंधा स्थित खुदिया नदी किनारे जंगल में बड़े पैमाने पर सुनियोजित करीके से 30-40 कुआंनुमा खदान बनाकर कोयले का अवैध खनन किया जा रहा है। बताया जाता है कि शनिवार की रात लगभग 12 बजे अवैध खनन किया गया कोयला ट्रैक्टर पर लोड कर मुगमा क्षेत्र के एक चर्चित भट्ठा में ले जाया जा रहा था। उसी दौरान मुगमा रेलवे फाटक के समीप हटिया मैदान में रॉकी व सोनू साव अपने अन्य दो साथियों के साथ मौजूद था। जैसे ही ट्रैक्टर के पीछे-पीछे पिंटू यादव वहां पहुंचा, उसी दौरान रॉकी व उसके साथी उससे रंगदारी की मांग करने लगा। इसे लेकर दोनों के बीच बकझक व हाथापाई होने लगी। इसी दौरान जैसा कि आरोप है रॉकी ने पिस्तौल निकालकर चार राउंड फायरिंग की। उससे पिंटू भाग निकला। कुछ देर बाद रॉकी साथियों के साथ उसका घर भालूकसूंधा गया और दरवाजा पीटने लगा।

सुभाषितम्

चिंता से चित्त को संताप और आत्मा को दुर्बलता प्राप्त होती है, इसलिए चिंता को तो छोड़ ही देना चाहिए। - ऋग्वेद

अमेरिका का स्थान लेने के लिए चीन तैयार, एआई तकनीकी में चीन का दबदबा

चीन और अमेरिका के बीच आर्थिक, तकनीकी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लंबे समय से देखने को मिल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद हाल ही में चीन ने अपने नए एआई मॉडल के माध्यम से यह साबित कर दिया है। चीन केवल एक उत्पादन केंद्र नहीं है। चीन तकनीकी नवाचार और नेतृत्व के क्षेत्र में अमेरिका को चुनौती देने में सक्षम है। चीन की कंपनी डीप सीक के एआई मॉडल ने न केवल अमेरिका के शेयर बाजारों को हिलाया, बल्कि वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में उथल-पुथल मचा दी है। चीन दुनिया का ऐसा पहला देश बन गया है, जो शोध में सबसे ज्यादा निवेश कर रहा है। नवीन शोध के माध्यम से नई-नई तकनीकी ईजाद कर दुनिया के देशों के लिए एक चुनौती बन गया है। चीन के डीप सीक का एआई मॉडल तकनीकी क्षेत्र में एक क्रांति साबित हो रहा है। यह मॉडल ओपन सोर्स तकनीक पर आधारित है। यह मॉडल तकनीकी को सुलभ और कम लागत में काम करता है। इसकी खासियत है, कम क्षमता वाली चिप्स पर भी बेहतर परिणाम देने वाला। इससे एआई तकनीकी की लागत अन्य कंपनियों की तुलना में बहुत कम है। इस तकनीकी को विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है। अमेरिकी कंपनियों की लागत एवं निरंतर खर्च ज्यादा है। एनवीडिया और अन्य सिलिकॉन वैली की दिग्गज कंपनियों के महंगे उपकरण और जटिल एआई मॉडल विकसित किये हैं। डीप सीक ने सस्ते उपकरण और बेहतर परिणाम से अमेरिकी कंपनियों को एआई के क्षेत्र में कडी चुनौती है। इसका प्रभाव इतना गहरा है, अमेरिका के टेक दिग्गजों को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं चीन एआई तकनीकी के मामले में आगे निकल गया है। चीन की कंपनी डीप सीक के इस मॉडल ने वैश्विक शेयर बाजारों में भारी हलचल मचा दी। 27 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स 800 अंकों से ज्यादा की गिरावट रही। निफ्टी 250 अंकों से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट के कारण भारतीय शेयर बाजार को लगभग 9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया है। अमेरिका के शेयर बाजार एसएंडपी 500 और नैस्डैक में भी भारी गिरावट देखी गई। एसएंडपी फ्यूचर्स में 1फीसदी और नैस्डैक 100 पर 2फीसदी की गिरावट के साथ अमेरिकी शेयर बाजारों में मंदी देखने को मिली है। इसके विपरीत, चीन के शेयर बाजारों में तेजी के साथ कामकाज हुआ है। शंघाई कंपोजिट और हैंगसंग इंडेक्स ने बढ़त दर्ज की है। जो यह दशार्ता है, चीन एआई तकनीकी की सफलता का आर्थिक लाभ उठाने में सफल हो रहा है। चीन ने विभिन्न क्षेत्रों में शोध के मामले में असाधारण सफलता अर्जित की है। अमेरिका रूस ब्रिटेन और भारत जैसे देशों में शोध में बहुत कम राशि खर्च की है, वहीं चीन लगातार अपना बजट बढाता चला जा रहा है। इसका बड़ा लाभ चीन को हो रहा है। डीप सीक का एआई मॉडल केवल एक तकनीकी उत्पाद नहीं है। यह तकनीकी चीन की रणनीतिक सोच और तकनीकी नेतृत्व की कुशलता का प्रतीक है। चीन ने पिछले कुछ दशकों में अपने तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्र में भारी निवेश किया है। चीन की सफलता इस बात का संकेत है, वह अब अमेरिका के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार है। चीन की इस प्रगति का कारण उसका दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। चीन कई मोर्चो पर एक साथ काम कर रहा है। चीन ने केवल हार्डवेयर एवं विभिन्न उत्पाद के निर्माण तक खुद को सीमित नहीं रखा। सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी बड़ा निवेश किया है। डीप सीक का यह मॉडल इसी का परिणाम है। भारत, एशिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारतीय बाजारों में भारी गिरावट लगातार देखने को मिल रही है। जो इस बात का संकेत है, भारत को भी तकनीकी एवं शोध के क्षेत्र में तेजी से निवेश करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है।

यूसीसी की प्रयोगशाला है उत्तराखंड

राकेश अचल

देश पर शासन करने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दल सबको साथ लेकर सबका विकास करना ही नहीं चाहते ,इसका सबसे बड़ा प्रमाण है यूसीसी का उत्तराखंड में जबरन लागू किया जाना। भाजपा ने उत्तराखडं को यूसीसी की प्रयोगशाला बना दिया है। केंद्र यदि चाहता तो इस नए कानून को उत्तर प्रदेश समेत देश के उन तमाम राज्यों में एक साथ लागू करा सकता था जहाँ कि भाजपा की सरकारें है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया ,क्योंकि केंद्र उत्तराखंड में इस कानून के नतीजे देखना चाहती है। इस कानून को अदालती परीक्षण से भी गुजरना चाहती है। यूसीसी यानि समान नागरिक संहिता लागू करना भाजपा और संघ का बहुत पुराना सपना है। भाजपा के जरिये संघ अपने पुराने सपनों में खरामा-खरामा रंग भरने में जुटा है। छह साल पहले संघ ने भाजपा के जरिये जम्मू-कश्मीर से संविधान की धारा 370 हटाई और अब बारी समान नागरिक संहिता की है।भाजपा देश की विविधता को एक ही रंग में रंगना चाहती है और वो रंग है भगवा रंग। भाजपा को देश में एक भाषा, एक भूषा,एक खाना, एक चुनाव यानि सब कुछ एक चाहिए। अगर कुछ एक नहीं चाहिए तो वो है मुसलमानों की मौजूदगी। मुझे भाजपा के इस अभियान से कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा इस समय भारत -भाग्य विधाता है। वो जो चाहे सो करे ,कर सकती है। सत्ता उसके हाथ में है। लेकिन भाजपा भूल रही है कि पूरा देश उसके हाथ में नहीं है। केंद्र को यानि भाजपा को एक सम्मान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ये जान लेना चाहिए कि देश में अलग-अलग क्षेत्रों की ,जातियों की परम्पराएं, रीति-रिवाज एक नहीं है। उनमें दखल देना अक्षम्य अपराध है ,लेकिन भाजपा का चरित्र ही एक - दूसरे के मजहब में मदाखलत करने का है। इसके लिए भाजपा रोज नए रास्ते तलाश करती रहती है। पिछले दस साल से भाजपा यही सब तो कर रही है। इस मामले में भाजपा के अनुसन्धान निकाय का लोहा मानना पड़ेगा। देश में एक सामान नागरिक संहिता और एक चुनाव ,एक भाषा लागू करने से पहले देश की तमाम आबादी का सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्तर भी एक समान करना होगा। भाजपा भूल जाती है कि अभी देश में समानता से ज्यादा असमानता यानि की गैर बराबरी है। देश में आधी आबादी के पास न दो जून की रोटी है और न सिर पर छत या छप्पर। तन पर कपड़ा भी नहीं है। हर हाथ को काम भी नहीं है। 80 करोड़ जनता तो सरकार के पांच किलो अन्न पर जीवित है ,ऐसे में यूसीसी कैसे लागू की जा सकती है लेकिन इसका विस्मिल्लाह उत्तराखंड से हो गया है क्योंकि इस सूबे में यूसीसी से प्रभावित होने वालों की तादाद कमोवेश कम है और यहां इसका ज्यादा विरोध भी नहीं हो पायेगा ,होगा भी तो उससे निबट लिया जाएगा। भाजपा की सरकार के दुस्साहस का लोहा मै शुरू से मानता आया हूँ। लेकिन भाजपा में अभी इतना साहस नहीं है कि वो यूसीसी को उत्तर प्रदेश या केरल जैसे राज्यों में लागू कर दिखाए। इसके लिए भाजपा को एक -दो जन्म और लेना पड़ेंगे। भाजपा चूंकि संघ का उत्पाद है इसलिए उसे एक-दो जन्म लेने में भी कोई संकोच नहीं होगा। भाजपा को पुनः मूषक होने की आदत है। आपको याद होगा कि इसी भाजपा की अखंड, प्रचंड बहुमत वाली सरकार ने कुछ समय पहले किसनों के लिए तीन विवादास्पद कानून बनाये थे, लेकिन जब उनका देशव्यापी विरोध हुआ तब ये तीनों कानून वापस भी लेना पड़े ,ये बात और है कि भाजपा की सरकार ने कानून वापस लेने से पहले देश के 700 किसानों की बलि ले। यूसीसी भी न जाने कितने बलिदान लेकर मानेगी केंद्र सरकार की कोशिश है कि देश में शांति न रहे। कुछ न कुछ ऐसा होता रहे जिससे लोग चैन से न सो सकें। अब केंद्र उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के बाद वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की घुसपैठ के साथ ही उसके मुकाबिल सनातन बोर्ड के गठन की रूपरेखा पर अमल करने वाले हैं। इस साल का महाकुम्भ इसका प्रयोग स्थल है। धर्म के ठेकेदार इस समय देश की सत्ता को संगम स्नान करने में लगे हुए हैं। सत्ता के एजेंडे पर काम करने में इन अखाड़ा प्रमुखों को कोई संकोच नहीं है। बल्कि देश के गृहमंत्री को गंगा स्नान करने में इन्हें अपना मोक्ष नजर आ रहा है। यानि सनातन धर्म भी अब सत्ता के समाने घुटनों के बल बैठ चुका है। गंगा ने शायद कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं किया। उसमें सभी को नहाने की छूट दी,वो सभी के पाप धो देती है ,फिर चाहे वो चोर हो,जेबकट हो ,हत्यारा हो ,तड़ीपार हो। गंगा कभी ये नहीं कहती कि पहले हिन्दू बनकर आओ तभी मुझमें डुबकी लगाओ। लेकिन गंगा पुत्रों ने यही कोशिश की है कि गंगा को विधर्मी स्पर्श न कर लें। राजनीती करने वाले और धर्म के नाम पर दुकाने चलने वाले गंगा जैसी उदारता आखिर कहाँ से ला सकते हैं। मुझे हैरानी होती है देश कि सबसे बड़ी अदालत के मौन पर ,क्योंकि देश की सबसे बड़ी अदालत ही अतीत में यूसीसी को डैड लैटर कह चुकी है लेकिन जब इसी कानून को उत्तराखंड में लागू किया जाता है तो सबसे बड़ी अदलात मौन साध लेती है। अब कोई जाये ,इस कानून को चुनौती दे ,तब शायद सबसे बड़ी अदालत इस कानून के सामविधान विरोधी चरित्र की समीक्षा करे। संविधान ने देश में 18 साल के बच्चों को मताधिकार दे दिया लेकिन यूसीसी इस उम्र के बच्चों को अपने मन से अपने जीवन साथी को चुनने का अधिकार नहीं देता। ये कानून कहता है कि यदि किसी बालिग को किसी के साथ लिव इन रिलेशन में रहना है तो पहले मम्मी-पापा से इजाजत लेकर आओ। क्या कमाल का प्रावधान है भाई!

बहरहाल उत्तराखंड की जनता को यूसीसी मुबारक हो। उत्तराखंड देवभूमि है। देवता हिन्दू-मुसलमान करते हैं या नहीं ,ये मै नहीं जानता। लेकिन मुझे इतना पता है कि ये कानून देश की समरसता को प्रभावित करेगा,इसलिए भाजपा को आग का ये खेल खेलने से पहले एक बार फिर इस कानून पर पुनर्विचार करना चाहिये। हम केवल सुझाव दे सकते हैं,सरकार का हाथ नहीं पकड़ सकत। ये काम तो जनता का है। जनता अपना काम करे या न करे, जनता की मर्जी है।

इतिहास में अमर है 1600 वीरांगनाओं का जौहर

हितानंद शर्मा

स्वदेश, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा करने के भारतीयों के संकल्प और संघर्ष विश्व इतिहास में अनूठे हैं। किसी थोड़े से कालखंड नहीं बल्कि यह हजार वर्षों के सतत संघर्ष की शौर्यगाथा है। संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए पुरुष, स्त्री, युवा, बच्चे, वृद्धसभी के बलिदान प्रणम्य हैं। अपने स्वत्व, स्वाभिमान और सतीत्व की रक्षा के इस संघर्ष में स्त्रियों ने भी सदैव त्याग और बलिदान का मार्ग चुना। पहले अपने परिवार के पुरुषों का संबल बन कर विजय की कामना के साथ उनके भाल पर तिलक कर युद्ध क्षेत्र में भेजा। दुर्भाग्य से यदि विजयश्री न मिली तो किले मेंही स्वयं की अस्मिता की हर कीमत पर रक्षा की। भारत की महान बेटियों ने अग्नि की भस्म बन जाना स्वीकार किया लेकिन अपनी मृत देह को भी शत्रु को स्पर्श नहीं करने दिया। मध्यकालीन बर्बर आक्रांताओं से अपनी अस्मिता की रक्षा करने के लिए इन महान भारतीय नारियों ने जौहर के अग्निपथ पर चलने में भी एक क्षण की देरी नहीं की। जौहर की ऐतिहासिक घटनाओं के ये उदाहरण केवल भारत में ही मिलते हैं।

मध्यकालीन बर्बर मुगल आक्रांताओं से युद्ध में पराजय के बाद अपनी अस्मिता बचाने के लिए सिंध, ग्वालियर, रणथंभौर, चित्तौड़,चंदेरी सहित अन्य कई स्थानों पर वीरांगना नारियों ने जौहर कर अपना आत्मोत्सर्ग किया। इनमें चंदेरी का जौहर सबसे बड़ा जौहर रहा। चंदेरी वर्तमान में अशोकनगर जिले में स्थित एक नगर है। इसी चंदेरी के दुर्ग में राजपूताने की 1600 से अधिक वीरांगनाओं ने एक साथ अग्निकुंड में अग्निदाह कर मृत्यु को स्वीकार किया।मालवा की राजधानी रहे चंदेरी का मजबूतदुर्ग आज भी राजा मेदिनी राय के पराक्रम और वीरता की गाथा कहता है। इसी दुर्ग के खूनी दरवाजे में 1600 से अधिक वीरांगना नारियों के बलिदान की करुण किन्तु महान बलिदान की कथा भी लिखी है।

496 वर्ष बीत गए हैं। यह इतिहास के उस कालखंडकी पराक्रमी राजा मेदिनी राय और रानी मणिमाला की वीरता और शौर्य के साथ करुणा से भरी गाथा है। चंदेरी में तब राजा मेदिनी राय का शासन था। उनकी रानी मणिमाला भी उन्हीं की तरह स्वाभिमानी थी। चंदेरी सामरिक, व्यापारिक और मालवा में प्रवेश की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण था। विध्वंसक विस्तारवादीनीति के साथ आक्रांता बाबर मालवा पर अपनी कुदृष्टि डाल चुका था। वह दिसंबर 1527 में अपनी सेना लेकर चंदेरी की ओर बढ़ा। उसने इस युद्ध को जेहाद घोषित किया। 20 जनवरी 1528 को उसने राजा मेदिनी राय को एक पत्र भेजा जिसमें आत्मसमर्पण कर मुगल राज्य की अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव था। बदले में शमशाबादकी जागीर देने का भी प्रस्ताव था। राजा मेदिनी राय स्वाभिमानीराजा थे, उन्होंने अधीनता का यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। शत्रु बिल्कुल निकट आ गया था यह देख उन्होंने युद्ध की तैयारी और तेज कर दी।मेवाड़ के राणासांगाइसके पूर्व में16 मार्च 1927 को बाबर के विरुद्ध राजपूत शक्ति की ओर खानवा के युद्ध में पराजय देख चुके थे, राजा मेदिनी राय भी इस युद्ध में वीरता से लड़े थे। खानवा के युद्ध में राजपूत शक्ति कमजोर पड़ जाने से राणासांगा की ओर से भी सहायता मिलना संभव नहीं हो रहा था। पराजय लगभग तय थी फिर भी वीर मेदिनीराय ने झुकने के स्थान पर युद्ध का विकल्प चुना। एक वीर योद्धा युद्ध लड़ कर विजय प्राप्त करने या वीरगति को प्राप्त हो जाने के लिए सदैव उन्मुख रहता है। युद्ध की घोषणा कर दी गई।

27जनवरी को सूर्य उदय होते ही युद्ध शुरू हुआ।तीसरे दिन 29 जनवरी को भीषण और निर्णायक युद्ध हुआ। पराक्रम से लड़ते हुए राजा मेदिनीराय वीरगति को प्राप्त हुए। राजा की मृत्यु और बाबर के महल की ओर आने की सूचना जैसे ही रानी मणिमाला के पास पंहुचीतो उन्होंने 1600 क्षत्राणियों और अपने सतीत्व की रक्षा हेतु जौहर का निर्णय लिया। महल के अंदर बनाए गए जौहर कुंड में प्रज्जवलित अग्नि में एक-एक कर सभी क्षत्राणियों ने समिधा के समान स्वयं की आहुति दे दी। अग्नि की लपटें कई कोस दूर तक दिखाई दे रही थी। जब यह दृश्य महल में आए बर्बर बाबर ने देखा तो वह भी कांप गया।उसके साथ आई चौथी बीबी दिलावर बेगम वहीं बेहोश होकर गिर गयी। इस प्रकार इन महान नारियों ने अपने स्वाभिमान और सतीत्व की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया।

चंदेरी के दुर्ग में ऐतिहासिक जौहर की यह गाथा क्षत्राणियों ने अपने रक्त से लिखी है। यह भारत की नारियों का अपनी अस्मिता और सतीत्व की रक्षा के लिए किए गए आत्मोत्सर्ग का ऐसा उदाहरण है जिसकी दूसरी मिसाल विश्व इतिहास में नहीं मिलती। इसी जौहर की स्मृति में किले में एक स्मारक बनाया गया है और प्रतिवर्ष इन वीरांगनाओं को श्रृद्धांजली देने आयोजन होते हैं। यह स्मारक इस बात का संदेश देता है कि भारतीयों ने बिना झुके अपना बलिदान देकर भी देश, धर्म, संस्कृतिऔर स्वाभिमान को बचाए रखा। ऐसे ही अनगिनत बलिदानों की बुनियाद पर आज भारतीय समाज सुखी और स्वतंत्र जीवन जी रहा है। चंदेरी का यह जौहर वास्तव में देश के स्वाभिमान के लिए प्रेरणा है।

मुफ्त की रेवड़ियों से बनती सरकार कितनी लाचार कितनी दमदार..!

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमों केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा। दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई। 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी। इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए। 1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए।

आज का राशिफल

मेष आज दिन आर्थिक रूप से शुभ है। धन लाभ के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं समय पर पूरी होंगी।

तुला आज दिन करियर के मामले में अच्छा रहेगा। आपका दिन आराम से बीतेगा।

वृषभ आपको दूरदर्शिता से लाभ होगा और आपको अपने कामकाज में तरक्की हासिल होगी।

वृश्चिक दिन करियर के लिहाज से अच्छा रहेगा। आपके पुराने फैसले फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

मिथुन आज दिन करियर में लाभ और सफलता लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र का माहौल बेहतर होगा।

धनु आज दिन लाभ और सम्मान वाला रहेगा। घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है।

कर्क आज दिन आर्थिक मामलों में मिलाजुला रहेगा। स्थितियां बदल रही हैं। आपके सभी काम पूरे होंगे।

मकर दिन करियर के मामले में सामान्य रहेगा। किसी दोस्त के साथ चल रहा तनाव खत्म हो जाएगा।

सिंह मेहनत करनी होगी। अगर आपको जरूरी काम पूरा करने में कुछ देर हो रही है तो परेशान न हों।

कुंभ आज दिन शुभ है। आपको आर्थिक मामलों में लाभ और तरक्की मिलेगी।

कन्या दिन सामान्य रहेगा। अपने रोजमर्रा के जीवन में बदलाव की जरूरत महसूस हो सकती है।

मीन आज दिन करियर के मामले में लाभदायक रहेगा, लेकिन आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा।

विशेष

कांग्रेस में जिसकी लाठी उसकी भैंस

कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की जो सूची जारी की है। उस सूची में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पंजाब के नवजोत सिंह सिद्धू को दिल्ली विधान सभा चुनाव का स्टार प्रचारक नहीं बनाया गया है। स्टार प्रचारकों की सूची में चरणजीत सिंह चन्नी और सुखपाल सिंह खैरा को शामिल किया गया है। हरियाणा और पंजाब के नेता दिल्ली के चुनाव में बड़ा असर डालते हैं।कांग्रेस मुख्यालय में बैठे हुए नेता अपनी गुट बाजी के हिसाब से निर्णय करते हैं।भोगना पार्टी को पड़ता है। जिसकी लाठी उसकी भैंस यह कांग्रेस को चरितार्थ करती है।

6 महीने में आंध्र प्रदेश को मिलेंगे 3 लाख करोड़

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आंध्र के दौरे पर गए थे।उन्होंने सार्वजनिक सभा में कहा, केंद्र सरकार 6 माह के अंदर 3 लाख करोड रुपए आंध्र प्रदेश सरकार को देगी।आंध्र प्रदेश को 6 महीने में इतनी बड़ी रकम मिलने जा रही है। गृहमंत्री की इस घोषणा से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जरूर गदगद हो गए होंगे। जो खेल अमित शाह ने खेला है।उसको चंद्रबाबू समझे,या नहीं यह चंद्रबाबू नायडू जाने। केंद्र की सरकार चंद्रबाबू के समर्थन से टिकी हुई है। यदि समय से पहले केंद्र सरकार से बाबू समर्थन वापस लेना चाहेंगे। ऐसी स्थिति में अमित शाह की यह घोषणा उनको सबसे भारी पड़ेगी। आंध्र प्रदेश को लेकर भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह ढिंढोरा हर समय पीटते रहेंगे। पैसे मिलेंगे या नहीं, इस बात की कोई गारंटी नहीं है।घोषणा करने में मोदी अमित शाह और भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1528 मुगल शासक बाबर ने राणा सांगा से चंदेरी का किला छीन लिया. 1676 थियोडोर तृतीय रूस के जार बने. 1780 भारत का पहला समाचार पत्र अंग्रेजी में हिकीज बंगाल गजट के नाम से प्रकाशित हुआ. 1889 आस्ट्रिया हंगरी के युवराज आर्कड्यूक रूडोल्फ ने अपनी प्रेमिका की हत्या के बाद आत्महत्या कर ली. 1916 प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी ने फ्रांस पर पहली बार हमला किया. 1919 चेक फोजों ने गैलीसिया में पोलैंड की फौजों को शिकस्त दी. 1939 रामकृष्ण मिशन सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना हुई. 1947 अमरीका ने चीन में मध्यस्थ की भूमिका छोड़ दी. 1949 ब्रिटेन ने इसरायल को मान्यता दी. 1953 संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की गई. 1963 फ्रांस के वीटो के कारण यूरोपीय साझा बाजार में ब्रिटेन को प्रदेश नहीं मिल सका. 1973 अमरीका सोवियत संघ तथा सत्रह देश यूरोप में सैन्य बल कटोती में विचार-विमर्श के लिए विएना में बेठक की.

दैनिक पंचांग

29 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

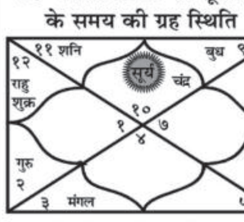

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.35 बजे से
चंद्र	मकर में	मीन	09.08 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	10.39 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.17 बजे से
शुक्र	मीन में	कर्क	16.30 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	18.46 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	20.58 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	23.09 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	वृश्चिक	01.24 ब.से
		धनु	03.40 बजे से
		मकर	05.45 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 29 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 18.06 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 08.21 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 21.22 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 06.55 बजे, नाग 18.06 बजे तदनन्तर किस्तुघ्न 05.11 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 55' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872239 **जूलियन दिन** 2460704.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रज्जब **तारीख** 28 **विशेष** माघ अमावस्या, मौनी अमावस, थाई अमावसई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ढाई करोड़ साल पुरानी एक ऐसी 'रहस्यमय' झील, जिसका पानी बदलता रहता है अपना रंग

अगर आप इतिहास-भूगोल में जरा भी रूचि रखते हैं तो 'पामीर के पठार' के बारे में जरूर जानते होंगे. इसे दुनिया की छत कहा जाता है और इसी छत के बीच एक प्राचीन और 'रहस्यमय' झील भी है, जिसका नाम है कराकुल झील. समुद्र तल से करीब 4 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह झील 380 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है और 230 मीटर तक गहरी है. यह झील देखने में तो बेहद ही खूबसूरत लगती है, क्योंकि यह चारों तरफ से बर्फीले पहाड़ों और ऊंचे रेगिस्तानी इलाकों से घिरी हुई है, लेकिन इस झील तक पहुंचना इतना आसान नहीं है. यहां तक आने के लिए लोगों को जोखिम भरे सफर करने पड़ते हैं. हालांकि जोखिमों से नहीं डरने वाले लोग दूर-दूर से इस झील को देखने के लिए आते हैं.

वैसे सच्चाई तो किसी को नहीं पता, लेकिन कहा जाता है कि इस झील का निर्माण करीब ढाई करोड़ साल पहले धरती से एक उल्कापिंड के टकराने की वजह से हुआ था. पहले तो इस झील का नाम ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के नाम पर रखा गया था, लेकिन बाद में सोवियत संघ ने इसका नाम बदल दिया और कराकुल झील रख दिया, जिसका मतलब होता है काली झील। इस झील के बारे में कहा जाता है कि इसके पानी में नमक की मात्रा बहुत ही ज्यादा है और इस वजह से इसमें कोई भी जीव नहीं पाया जाता, बस एक खास तरह ही मछली ही इस पानी में जिंदा रह पाती है. इस मछली का नाम 'स्टोन लोच' है. यह मछली बलुआ तलछट वाली झीलों में आराम से रह सकती है. हालांकि समय-समय पर इस झील के आसपास के दलदली किनारों पर हिमालय पर्वत पर रहने वाले बाज और तिब्बती तीतर जरूर घूमते हुए चले आते हैं.

मृत सागर यानी डेड सी का नाम तो आपने सुना ही होगा, जिसके पानी में इतना नमक है कि वहां कोई भी जीव जिंदा नहीं रह सकता, कराकुल झील को भी दूसरा 'डेड सी' कहा जा सकता है. हैरान करने वाली ये भी है कि कराकुल झील में नाव चलाना भी लगभग नामुमकिन है और इसकी वजह है इसका खारा पानी. इससे भी ज्यादा हैरान करने वाली बात ये है कि झील के पास ही एक छोटा सा गांव भी है, जिसका नाम भी कराकुल है, लेकिन इस गांव में बहुत कम ही लोग रहते हैं और इस वजह से यह किसी 'भुतहा गांव' की तरह लगता है. इस झील को लेकर जो सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात है, वो ये कि इस झील का पानी दिन में कई बार अपना रंग बदलता है. कभी झील नीले रंग का दिखता है तो कभी फिरोजी और कभी हरे रंग का. शाम को तो इसका पानी गहरा काला दिखाई देने लगता है. अब ऐसा क्यों होता है, इसके बारे में कोई सटीक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है.

इस वीरान टापू पर सैकड़ों साल से मौजूद है रहस्यमयी मूर्तियां, आज तक नहीं चला बनाने वाले का पता

वीरान टापू की खोज साल 1722 में डच एडमिरल याकूब रोगेवीन ने की थी. तब वे अपने तीन जहाजों के साथ इस टापू के पास पहुंचे थे. इस दौरान उनके दल को दूर से सैकड़ों ऊंची-ऊंची इंसानी आकृति दिखाई दीं. रोगेवीन और उनका दल जब जहाज से उतरकर टापू पर पहुंचा, तो उन्हें पत्थरों से बनी कई विशाल मूर्तियां देखने को मिलीं. जिन्हें देखकर वे हैरान रह गए. उन्होंने भी जानने की कोशिश की कि ये मूर्तियां इस वीरान टापू पर कैसे आईं तो उन्हें भी इसके बारे में कुछ पता नहीं चला.

ईस्टर आईलैंड पर मौजूद सैकड़ों रहस्यमयी मूर्तियों के बारे में आजतक कोई नहीं जान पाया. ये मूर्तियां इतनी बड़ी और भारी-भरकम हैं कि वीरान पड़े इस आइलैंड पर इन्हें कैसे स्थापित किया गया होगा. इसके बारे में कोई नहीं जान पाया.

दुनियाभर में ऐसे तमाम रहस्य हैं जिनमें से कुछ के बारे में तो इंसान जानता है लेकिन आज भी अनगिनत रहस्यों बना हुए हैं. पृथ्वी पर ऐसी कुछ चीजें मौजूद हैं जो बेहद विचित्र और रहस्यमयी है. वैज्ञानिक भी इन रहस्यों के बारे में पता नहीं लगा पाए. ऐसा ही एक रहस्य है ईस्टर आइलैंड पर मौजूद सैकड़ों रहस्यमयी मूर्तियों का. जो सैकड़ों साल से लोगों के लिए कौतूहल का विषय रहा है. इन मूर्तियों को किसने और कब बनाया इसे लेकर अलग-अलग तरह की बारे कहीं जाती है लेकिन सच्चाई के बारे में कोई नहीं जानता. दरअसल, प्रशांत महासागर में स्थित ईस्टर आइलैंड पर माओ मूर्तियां स्थापित हैं. इन मूर्तियों की स्थापना यहां किसने की इसके बारे में कोई नहीं जानता. ना तो बनाने वाले का आज तक पता चला और ना ही समय का कि कब इन मूर्तियों की यहां स्थापना की गई. दुनियाभर के विशेषज्ञों ने इन मूर्तियों को लेकर अलग-अलग बातें कहीं गई लेकिन सच्चाई का कुछ भी पता नहीं चला. इस वीरान पड़े टापू पर कई ऐसी मूर्तियां भी देखने को मिलती है जिनकी ऊंचाई करीब 7 मीटर है. हैरानी की बात तो ये है कि पुराने समय में इतनी ऊंची और भारी मूर्तियों को बनाना उस समय के लोगों के लिए लगभग नामुमकिन होगा. इसीलिए इन मूर्तियों का रहस्य गहराता रहा है. ऐसे ही कई सवालों का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने इस वीरान टापू पर लंबे समय तक इन मूर्तियों पर शोध किया. लेकिन इससे फिर भी पर्दा नहीं हटा. ईस्टर आइलैंड पर मौजूद सबसे बड़ी मूर्ति की ऊंचाई करीब 33 फीट है. जिसका वजन करीब 75 टन के बराबर है. ऐसा माना जाता है कि ये मूर्तियां करीब 1200 साल पुरानी हैं. जानकार बताते हैं कि इस वीरान टापू पर काफी समय पहले रापा नुई लोगों का बसेरा होता था. कुछ लोगों का कहना है कि इन विशालकाय मूर्तियों को उन्हीं रापा नुई लोगों ने यहां बनाया होगा. लेकिन सवाल ये है कि पुरानी मानव सभ्यता के लिए इन मूर्तियों को बनाना कितना मुश्किल रहा होगा. इस

वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इन मूर्तियों का निर्माण इंसान ने नहीं बल्कि एलियंस ने किया था. उनके मुताबिक प्राचीन समय के लोगों के लिए इतने कठिन काम को करना नामुमकिन था. उन लोगों को पास इन्हें बनाने का कोई साधन नहीं था. जो इतने भारी भरकम पत्थरों को इधर से उधर ले जा सकें. वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ईस्टर आईलैंड पर मौजूद इन मूर्तियों को प्राचीन आदिवासियों ने बनाया था.

कुछ साल पहले यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के एक डॉक्टर ईस्टर आइलैंड के एक ज्वालामुखी के पास पहुंचे, जहां उन्होंने अंदर छुपी कई खदानें को खोजा. इसके साथ ही उन्हें वहां मूर्ति को बनाने के कई अवशेष भी मिले. जिनमें डलवा धातु की एक 7 इंच लंबी कुल्हाड़ी भी शामिल थी. इससे इस बात का पता चलता है कि इन मूर्तियों को प्राचीन समय में वहां के मूल निवासियों ने बनाया था. जिनका इस्तेमाल वे अपने धार्मिक अनुष्ठानों के लिए किया करते थे.

दुनिया में सबसे दर्दनाक डंक वाली चींटी है ये, बुलेट के जैसा होता है आकार

चींटी दुनिया की सबसे मेहनती और ईमानदार प्राणी मानी जाती है, पर इसकी एक प्रजाति ऐसी भी है जिसका डंक दुनिया में सबसे दर्दनाक माना जाता है. चीटियों की तमाम खूबियां होने के बावजूद दुनिया के लगभग हर कोने में पाई जाने वाली चींटी कई लिहाज से अनोखी है.

छोटी सी होने के बावजूद चींटियों में ऐसी खूबियां होती है कि वह कई मायनों में तो इंसान तक को पीछे छोड़ देती है. लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि चींटियों की अलग-अलग प्रजातियों की भी अपनी खूबियां होती हैं. इनमें से एक प्रजाति ऐसी भी है जिसकी एक खासियत बहुत ही चौंकाने वाली है क्योंकि इसका डंक दुनिया का सबसे दर्दनाक डंक माना जाता है. इस खास प्रजाति का नाम भी कम रोचक नहीं है इसके बुलेट एंट कहते हैं.

बुलेट चींटी दुनिया की सबसे बड़ी चींटियों में से एक माना जाती है. इनका आकार 0.7 से 1.2 इंच तक का होता है. लेकिन लाल काले रंग की ये चींटियों के जहरीले डंक लगने से इंसान को इतना दर्द होता है कि लगता है कि कोई गोली लगी है. इसी लिए इसे बुलेट एंट नाम मिला है. ये बहुत ही ठंडे इलाकों को छोड़ कर दुनिया के हर कोने में मिलती हैं. बुलेट एंट का डंक दुनिया का सबसे दर्दनाक और जहरीला डंक माना जाता है. एक अध्ययन में यह केवल चीटियों में ही नहीं बल्कि किसी भी कीड़े की तुलना में सबसे दर्दनाक डंक पाया गया है. इतना ही नहीं इस डंक से मिले दर्द क असर 24 घंटे तक रहता है. इसलिए इन्हें 24 घंटे वाली चींटी भी कहा जाता है.

आमतौर पर चींटियां जमीन पर रहती हैं लेकिन बुलेट चींटियां ऐसी हैं जो जमीन पर नहीं बल्कि पेड़ पर रहती हैं. वैसे तो हर तरह की जलवायु में मिलती हैं, लेकिन ये वर्षावनों के पेड़ों वाले इलाकों में ज्यादा होती हैं और वहां भी ये पेड़ों के तने के निचले हिस्से में अपनी कॉलोनी बनाना पसंद करती हैं.

इन चींटियों का एक उपयोग ब्राजील की एक आदि मानव की जनजाति में भी देखने को मिलता है. यहां की साटेरे मावे जनजाति में किशोर जब युवावस्था में कदम रखने वाला होता है तो उसे एक रस्म में भाग लेने होता है. उसे एक कार्यक्रम के दौरन अपने हाथ एक ऐसे ग्लोव में कम से कम 20 मिनट के लिए रखने होते हैं जिसके अंदर बुलेट चींटियां होती हैं. इसके बाद ही उसे मर्द की श्रेणी में गिना जाता है.

चीटियों में रानी चींटी खास होती है. वह अपनी कॉलोनी में अलग ही देखी जा सकती है क्योंकि वह दूसरी कामगार चींटियों से बड़ी होती हैं. पर हैरानी की बात ये है कि बुलेट चीटियों में ऐसा नहीं होता है. असल में रानी बुलेट चींटी कामगार चींटी से थोड़ी ही बड़ी रहती हैं इस वजह से दोनों में अंतर कर पाना मुश्किल हो जाता है.

शांत होती हैं ये चींटियां, जीहां, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इन चींटियों का जहरीला डंक होने के बावजूद ये बहुत आक्रामक चींटियां नहीं होती हैं. लेकिन इनके जहरीले और दर्दनाक डंक की वजह से इन चींटियों से डरने वालों की कमी नहीं है. अपने जहर का उपयोग केवल उन एन्थ्रोपॉड कीड़ों के शिकार में करते हैं.

बीते 32 सालों से अमेरिका के एक प्लेन के गायब होने और उसके वापस लौटने की कहानी दुनियाभर में मीडिया की सुर्खियां बन चुकी हैं। कहानी कुछ यूं है कि 1955 में पैन अमेरिका का एक प्लेन फ्लाइट नंबर- 914 उड़ान के दौरान अचानक गायब हो गया। लेकिन वह प्लेन ठीक 37 साल बाद 1992 में लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला की राजधानी काराकास के एयरपोर्ट पर लैंड करता है। लेकिन हाल ही में कई फेक खबरों का सच जानने वाली न्यूज साइट्स ने इस पूरी कहानी पर से पर्दा उठाया है।

37 साल से गायब विमान

अचानक एयरपोर्ट पर किया लैंड

सालों पहेली बनी इस खबर का सच2

रहस्यों से दुनिया भरी पड़ी है, लेकिन कुछ ऐसे रहस्य जिनको समझ पाना बेहद मुश्किल लगता है। दुनियाभर में कई ऐसे रहस्य हैं जिनकी गुत्थी आज तक वैज्ञानिक भी नहीं सुलझा पाए हैं। इस कड़ी में हम आपको एक ऐसे रहस्य के बारे में बताएंगे जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इसके साथ ही इस रहस्य पर यकीन करना भी नामुमकिन लगता है। दुनिया के बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी इस रहस्य की वजह से हैरत में पड़ गए थे। करीब 67 साल पहले सन 1955 में भी एक ऐसी ही रहस्यमयी घटना घटी थी। यह घटना अमेरिका के एक ऐसे रहस्यमयी विमान से जुड़ी है जिसने उड़ान भरने के करीब 30 साल बाद दूसरे देश में लैंड किया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह विमान लैंड करने के बाद फिर लापता हो गया।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जाता है कि 2 जुलाई 1955 को फ्लाइट 914 ने अमेरिका के न्यूयॉर्क से मयामी के लिए उड़ान भरा था जिसमें कुल 57 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स थे। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि न्यूयॉर्क से उड़ान भरे के बाद और मयामी पहुंचने से पहले ये जहाज आसमान में ही लापता हो गया। अमेरिका ने उस दौरान इस जहाज को खोजने की बहुत कोशिश की, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इस समय हवाई जहाज को न्यूयॉर्क से मयामी जाने में करीब साढ़े तीन घंटे लगते हैं। 1955 में विमान से न्यूयॉर्क से मयामी जाने में अधिक से अधिक पांच घंटे का समय लगता था।

उस समय पूरी दुनिया में हैरत में पड़ गई जब साल 1955 में लापता विमान फ्लाइट 914, 30 साल बीतने के बाद 9 मार्च 1985 को रहस्यमयी तरीके से वेनेजुएला के कारकास एयरपोर्ट पर लैंड किया। इस विमान बारे में एर ट्रैफिक कंट्रोल को भी कोई जानकारी नहीं थी। लैंडिंग के कुछ ही देर बाद इस विमान ने फिर से फिर उड़ान भरी और आसमान में गायब हो गया।

मीडिया रिपोर्ट्स मुताबिक, काराकास एयरपोर्ट पर जहाज के लैंडिंग के बाद पायलट ने वहां के स्टाफ से पूछा कि यह कौन सा साल है? ग्राउंड स्टाफ ने पायलट को बताया कि यह साल 1985 है। यह सुनते ही विमान के पायलट लंबी लंबी सांस लेने लगे और कहा किओह! माई गॉड। इसके बाद विमान ने एक बार फिर उड़ान भरी और आसमान में लापता हो गया।

21 मई 1992 में अमेरिका के एक लोकल न्यूज पेपर प्लेन के गायब होने और वापस आने की खबर पब्लिश करता है। यहीं से इसकी शुरुआत होती है। हैडलाइन थी प्लेन की पहेली। नीचे लिखा होता था, 1955 में उड़ान भरने वाला प्लेन 1985 में वापस आया। खबर आग की तरह फैलती है। लोग इसपर भरोसा करने लगते हैं। अफवाहों का दौर शुरू हो जाता है, कहा जाता है कि प्लेन बरमुडा ट्राएंगल से वापस लौटकर आ गया तो कुछ इसे दूसरी दुनिया से जोड़कर देखने लगते हैं।

दुनिया में आग की तरह फैली खबर

न्यूज पेपर में पब्लिश होने के बाद ये खबर दुनियाभर में फैल जाती है। इंटरनेट पर लोग इसे अलग-अलग तरीके से पेश करते हैं। कुछ लोग सवाल उठते हैं कि आखिर इतने समय से ये प्लेन कहां था? अगर ये उड़ रहा था?, तो इसका ईंधन खत्म क्यों नहीं हुआ?, क्या ये किसी खुफिया मिशन पर था?, इन तमाम कयासों के बीच खबर आती है कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स से मिली वॉयस रिकॉर्डिंग इस बात का सबूत है।

बातचीत रिकॉर्डिंग को बताया जाता है सबूत!

पायलट कहता है, हम कहां है? एयर ट्रैफिक कंट्रोल से आवाज आती है, ये वेनेजुएला है, आप कहां से आए हैं? पायलट जवाब देता है, हम न्यूयॉर्क से आए हैं और ये फ्लाइट नंबर-914 है, मियामी फ्लोरिडा के लिए। कंट्रोल पैनल से आवाज आती है, तुम इतनी बड़ी गलती कैसे कर सकते हो? तुम 2000 किलोमीटर गलत कैसे आ गए? इसके बाद कंट्रोल पैनल पर बैठा शख्स डायरी चेक करता है, तो पता चलता है कि जिस प्लेन का जिक्र किया जा रहा है, उसने 1955 में आखिरी उड़ान भरी थी। कंट्रोल पैनल कंफ्यूजन में प्लेन को उतरने की इजाजत देता है। बताया जाता है कि जब अफसर उसकी जांच के लिए पहुंचते हैं, तब तक प्लेन गायब हो जाता है।

क्या है इसका सच

हालांकि इस खबर को फर्जी होने की वजह किसी भी प्रॉमिनेंट न्यूजपेपर ने पब्लिश नहीं किया। ये कहानी पूरी तरह से महज एक कल्पना थी।

महारत्न कंपनी को 8400 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा, डिविडेंड का हुआ ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 8491.2 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल की दिसंबर तिमाही के मुकाबले कोल इंडिया का मुनाफा 17.5 पर्सेंट घटा है। महारत्न कंपनी को पिछले साल की दिसंबर तिमाही में 10,291.7 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। कोल इंडिया के शेयर सोमवार को बीएसई में 375.40 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए दूसरे अंतरिम डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

35,779 करोड़ रुपये रहा कंपनी का रेवेन्यू- चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कोल इंडिया का रेवेन्यू 35,779.8 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले रेवेन्यू में 1 पर्सेंट की गिरावट आई है। एक साल पहले की समान अवधि में कोल इंडिया का रेवेन्यू 36,154 करोड़ रुपये था। दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 12,317.2 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर इबिट्डा में 5 पर्सेंट की गिरावट आई है। एक साल पहले की समान अवधि में कोल इंडिया का इबिट्डा 12,970.7 करोड़ रुपये था। अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में कोल इंडिया का इबिट्डा मार्जिन 34.4 पर्सेंट रहा है।

हर शेयर पर 5.60 रुपये अंतरिम डिविडेंड का ऐलान- कोल इंडिया लिमिटेड के बोर्ड ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के लिए 5.60 रुपये प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। महारत्न कंपनी ने दूसरे अंतरिम डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 31 जनवरी 2025 फिक्स की है। कंपनी 26 फरवरी 2025 तक दूसरे अंतरिम डिविडेंड का भुगतान करेगी। इससे पहले, कोल इंडिया ने चालू वित्त वर्ष के लिए 15.75 रुपये के अंतरिम डिविडेंड और 5 रुपये के फाइनल डिविडेंड का भुगतान किया है।

6 महीने में 26 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए कोल इंडिया के शेयर- कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर पिछले 6 महीने में 26.66 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। महारत्न कंपनी के शेयर 29 जुलाई 2024 को 511.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 27 जनवरी 2025 को 375.40 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 544.70 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 361.30 रुपये है।

भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत व संरक्षण राजस्व अगले वित्त वर्ष में 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद: क्रिसिल

मुंबई एजेंसी। विमानन कंपनियों के अपने बेड़े का आकार बढ़ाने से पैदा हुई मांग के बीच भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत एवं संरक्षण (एमआरओ) उद्योग को अगले वित्त वर्ष में राजस्व 50 प्रतिशत बढ़कर 4,500 करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को तीन एमआरओ परिचालकों पर आधारित अध्ययन में यह बात कही। इन तीन एमआरओ परिचालकों की उद्योग के राजस्व में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, विमान उपकरणों एवं सेवाओं पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कम होने से घरेलू एमआरओ कंपनियां न केवल विदेशी कंपनियों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति में आ जाएंगी, बल्कि उनकी कार्यशील पूंजी की समस्या भी कम हो जाएगी। भारतीय एमआरओ कंपनियां आमतौर पर तीन प्रकार की सेवाएं देती हैं। इनमें'लाइन चेक (प्रत्येक उड़ान से पहले की जाने वाली), 'एयर फ्रेम चेक (प्रत्येक 12-18 महीने में) और 'पुनर्वितरण जांच (छह से सात वर्ष की पट्टे की अवधि खत्म होने के समय) सेवा शामिल हैं।

देश की सेहत संवारेगी मोदी सरकार, बजट 1 लाख करोड़ रुपये के पार होने का अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार के चलते इस बार स्वास्थ्य मंत्रालय के बजट में अच्छी-खासी वृद्धि होने के आसार हैं। अनुमान है कि हेल्थ बजट एक लाख करोड़ रुपये की सीमा पार कर जाएगा, जो चालू वित्त वर्ष के दौरान करीब 90 हजार करोड़ रुपये है। इसके अलावा बजट में हेल्थ रिसर्च के लिए भी आवंटन बढ़ाने जाने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार 70 साल से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के दायरे में लाने का ऐलान कर चुकी है। ओडिशा भी इस योजना का हिस्सा बन चुका है। दिल्ली में अगर बीजेपी की सरकार बनती है तो यह योजना राजधानी में भी लागू होगी। ऐसे में आयुष्मान भारत योजना के लिए आवंटन में अच्छी-खासी वृद्धि की संभावना व्यक्त की जा रही है। चालू वित्त वर्ष के दौरान योजना के लिए आवंटन 6,800 करोड़ रुपये है, जिसमें कम से कम 20-25 फीसदी का इजाफा होगा। कोरोना काल के बाद हेल्थ बजट में वृद्धि तो हुई है, लेकिन अभी भी यह जीडीपी के 1.6 फीसद के करीब ही है। वहीं, सरकार का लक्ष्य इसे 2.5 फीसद तक ले जाने का है। वर्ष 2019-20 के दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय को कुल 66 हजार करोड़ रुपये आवंटित हुए थे जो अब 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

15-20 फीसदी की वृद्धि का अनुमान

स्वास्थ्य अनुसंधान के बजट में 15-20 फीसदी तक वृद्धि का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष के दौरान 3300 करोड़ रुपये है। दरअसल, जिस प्रकार से नई-नई बीमारियों की चुनौती बढ़ रही है, उसके मद्देनजर नए अनुसंधान और क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसलिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग को आवंटन बढ़ेगा।

देश को टीबी मुक्त और सौ फीसदी टीकाकरण की तैयारी

केंद्र सरकार देश को टीबी मुक्त बनाने, सौ फीसदी टीकाकरण और सांस्थनिक प्रसव को बढ़ाने के लिए भी प्रयासरत है। इसके चलते राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का विस्तार 2026 तक किया गया है। इसलिए तय समय के भीतर लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इन कार्यक्रमों के लिए भी आवंटन बढ़ाया जा सकता है।

हमने 30 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है, रिजिजू बोले- संतुलित बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी केंद्रीय बजट से पहले, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार ने 30 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

उन्होंने आगामी सत्र के दौरान सदन में सुचारू चर्चा करने के लिए विपक्षी नेताओं से सहयोग की भी अपील की। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री सोमवार को प्रयागराज की अपनी यात्रा के दौरान ये जानकारी साझा की है। उन्होंने महाकुंभ में पवित्र स्नान भी किया है। तीर्थराज प्रयाग में भारत की समृद्ध संस्कृति के पवित्र पर्व महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में स्नान करना मेरे लिए आध्यात्मिक और मानसिक चेतना जागृत करने जैसी अनुभूति है।

30 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है- रिजिजू

वहीं संसद के आगामी बजट सत्र पर, किरेन रिजिजू ने कहा, 31 जनवरी को संसद का बजट सत्र शुरू होगा। इससे पहले, 30 जनवरी को, हमने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान किरेन रिजिजू ने संसद के पिछले शीतकालीन सत्र का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पिछले दो सत्रों में संसद में कुछ हंगामा हुआ, जिससे हमारी संसद की छवि खराब हुई। मैं विपक्षी नेताओं और अन्य सांसदों से अपील करना चाहता हूं कि वे सत्र के दौरान संसद में चर्चा में हिस्सा लें और चर्चा करें। अगर विपक्ष संसद को चलने दे, तो चर्चा आसानी से हो सकती है।

संतुलित बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री- किरेन रिजिजू

उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक अच्छा और संतुलित बजट पेश करेंगी। उन्होंने कहा, सभी को उम्मीद है कि एक अच्छा बजट पेश किया जाएगा। 31 जनवरी को राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा।

31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा संसद का बजट सत्र

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा और तय कार्यक्रम के अनुसार 4 अप्रैल को खत्म होगा। बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। संसद में 14 फरवरी से अंतर-सत्र अवकाश रहेगा और 10 मार्च को दोनों सदनों की बैठकें फिर से शुरू होंगी।

जोहो के सीईओ श्रीधर वेम्बू ने अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पद छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आईटी कंपनी जोहो कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीधर वेम्बू ने मुख्य वैज्ञानिक के रूप में कंपनी के अनुसंधान व विकास पहलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी के सह-संस्थापक शैलेश कुमार डेवी समूह के सीईओ का पदभार संभालेंगे।

हमारे सामने मौजूद विभिन्न चुनौतियों और अवसरों को देखते हुए, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हाल में हुए प्रमुख विकास भी शामिल हैं, यह निर्णय लिया गया है कि बेहतर होगा कि मैं अपना पूरा समय अनुसंधान एवं विकास पहलों पर केन्द्रित करूं, साथ ही अपने व्यक्तिगत ग्रामीण विकास मिशन पर भी काम करूं।

वेम्बू ने सोमवार को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, मैं जोहो कॉर्प के सीईओ के पद से हट जाऊंगा और मुख्य वैज्ञानिक के रूप में नई भूमिका ग्रहण करूंगा, जो गहन अनुसंधान व विकास पहलों के लिए जिम्मेदार होगा। हालांकि वेम्बू ने अपने नोट की शुरुआत आज से एक नया अध्याय शुरू हो रहा है से की, लेकिन इस बदलाव की सटीक समयसीमा स्पष्ट नहीं की गई। उन्होंने लिखा कि सह-संस्थापक टोनी थॉमस जोहो यूएस का नेतृत्व करेंगे, राजेश गणेशन जोहो कॉर्प के मैनेजइंजीन प्रभाग का नेतृत्व करेंगे, और मणि वेम्बू जोहो.कॉम प्रभाग का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा, हमारी कंपनी का भविष्य पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि हम अनुसंधान व विकास की चुनौतियों का सामना कितनी अच्छी तरह करते हैं और मैं अपनी नई जिम्मेदारी को ऊर्जा और जोश के साथ निभाने के लिए उत्सुक हूं। मैं तकनीकी काम पर वापस लौटने को लेकर भी बहुत खुश हूं। चेन्नई मुख्यालय वाली जोहो कॉर्प की स्थापना 1996 में हुई थी, जो शुरू में एडवेंटनेट इंक के नाम से जानी जाती थी।

चीनी एआई डीपसीक ने दुनिया भर के शेयर बाजारों को हिलाया, औंधेमुंह गिरे टेक स्टॉक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप डीपसीक ने सोमवार को दुनिया भर में टेक शेयरों को हिला दिया। इसकी वजह इसका मुफ्त ओपन-सोर्स एआई मॉडल, डीपसीक-आरवी है। डीपसीक स्टार्टअप ने पिछले हफ्ते एक मुफ्त एआई सहायता शुरू की थी, जिसमें कहा गया था कि यह मौजूदा सेवाओं की लागत के कम डेटा का इस्तेमाल करता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नैस्डैक खुलने के बाद 3.07 फीसद यानी 612 अंकों का गोता लगाकर 19341 पर था। जबकि एसएंडपी 500 1.46 फीसद फिसलकर 6012 के लेवल पर था।

चीनी स्टार्टअप डीपसीक ने अपने लेटेस्ट एआई मॉडल्स के बारे में दावा किया है कि यह अमेरिका में इंडस्ट्री-लीडिंग मॉडल्स के बराबर या उनसे बेहतर है और इसकी लागत का महज एक अंश है। कंपनी ने पिछले महीने एक पेपर में यह लिखकर ग्लोबल एआई सर्किल का ध्यान आकर्षित किया है कि डीपसीक-वी3 के प्रशिक्षण के लिए एनवीडिया एच800 चिप्स से 6 मिलियन डॉलर से कम मूल्य की कंप्यूटिंग पावर की आवश्यकता है।

डीपसीक ने ऐप्पल स्टोर डाउनलोड के मामले में अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी चैटजीपीटी को पीछे छोड़ दिया। यह एक सस्ते एआई विकल्प की संभावना प्रदान करता है। इससे ऐप्पल और माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारी खर्च पर सवाल उठाए गए हैं।

टेक शेयरों में भूचाल, एनवीडिया को 500 अरब डॉलर से अधिक का झटका

चिपमेकर एनवीडिया के शेयरों में शुरुआती कारोबार में 11 फीसद की गिरावट देखी गई। एनवीडिया के शेयरों में 18 प्रतिशत तक की गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 560 बिलियन डॉलर के वाइपआउट ने सितंबर में 9 प्रतिशत रिकॉर्ड का अपना पिछला रिकॉर्ड बना लिया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों में 3.8 प्रतिशत, मेटा प्लेटफॉर्म्स में 3.1 प्रतिशत और अल्फाबेट में 3.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

यूरोपीय टेक शेयरों ने कैसा प्रदर्शन किया

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय टेक शेयरों में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई, जो अक्टूबर के बाद से उनके सबसे खराब दिन के लिए निर्धारित है। चिप निर्माता एएसएमएल 8.9 प्रतिशत नीचे था, और सीमेंस एनर्जी, जो एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए इलेक्ट्रिक हार्डवेयर प्रदान करता है, लगभग 20 प्रतिशत फिसल गया। जापान के निक्केई ने लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। एआई-केंद्रित स्टार्टअप निवेशक सॉफ्टबैंक समूह 8 प्रतिशत से अधिक गिर गया।

इन्फोसिस के को-फाउंडर समेत 18 लोगों के खिलाफ एससी/एसटी का केस

नईदिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस के को-फाउंडर क्रिस गोपालकृष्णन, आईआईएससी के पूर्व निदेशक बलराम और 16 अन्य के खिलाफ सोमवार को एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।आईआईएससी फैकल्टी या आईआईएससी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य क्रिस गोपालकृष्णन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

71वें शहर सिविल एवं सत्र अदालत (सीसीएच) के निर्देशों के आधार पर सदाशिव नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता दुर्गप्पा, जो आदिवासी बोवी समुदाय से हैं, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में सेंटर फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी में एक संकाय सदस्य थे।

उसने दावा किया कि 2014 में उसे हनी ट्रैप में झूठा फंसाया गया और बाद में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि उन्हें जातिवादी गालियां और धमकियां दी गई। इस मामले में अन्य आरोपियों में गोविंदन रंगराजन, श्रीधर वारियर, संध्या विश्वेश्वरैह, हरि केवीएस, दासप्पा, बलराम पी, हेमलता मिशी, चट्टोपाध्याय के, प्रदीप डी सावकर और मनोहरन शामिल हैं।

कौन हैं क्रिस गोपालकृष्णन

इंफोसिस के सह-संस्थापकों में से एक क्रिस गोपालकृष्णन ने 2011 से 2014 तक इंफोसिस के वाइस चेयरमैन और 2007 से 2011 तक इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में कार्य किया।

नगोपालकृष्ण के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, उन्हें 2013-14 के लिए भारत के शीर्ष उद्योग चैंबर भारतीय उद्योग परिसंघ का अध्यक्ष चुना गया था और जनवरी 2014 में दावोस में विश्व आर्थिक मंच के सह-अध्यक्षों में से एक के रूप में कार्य किया था। जनवरी 2011 में भारत सरकार ने गोपालकृष्णन को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया।से

क्रिस गोपालकृष्णन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास से फिजिक्स और कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। क्रिस इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स (आईएनएई) के फेलो और इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई) ऑफ इंडिया के मानद फेलो हैं।

ट्रंप के मेक इन अमेरिका योजना का मुकाबला करेगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जोर उन देशों के लिए चेतावनी है जो अगला चीन बनने की होड़ में हैं। उन्हें इसका मुकाबला करने के लिए फिर से तैयारी करनी पड़ेगी। भारत को भी अपने सप्लाई सिस्टम के साथ मैन्युफैक्चरि से जुड़ी प्रमुख समस्याओं के त्वरित हल की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने होंगे।

ट्रंप की मैन्युफैक्चरिंग स्कीम- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक इन अमेरिका की योजना को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार और दंड वाली रणनीति बनाई है। ट्रंप चाहते हैं कि कंपनियां या तो अमेरिका में कारखाने स्थापित करें या अमेरिका भेजे जा रहे अपने सामान पर ऊंचे शुल्कों का भुगतान करें। ट्रंप ने हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं को एक वीडियो संबोधन में कहा, दुनिया के हर व्यवसाय के लिए मेरा संदेश बहुत सरल है- अमेरिका में अपना उत्पाद बनाएं और हम आपको

दुनिया के किसी भी देश की तुलना में सबसे कम कर देंगे। ट्रंप ने अमेरिका में निर्माण करने वाली कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत कॉर्पोरेट टैक्स दर का प्रस्ताव दिया है।

इसका क्या प्रभाव पड़ेगा- हाल के दशकों में, वैश्विक विनिर्माण एशिया में स्थानांतरित हो गया है, मुख्य रूप से चीन और कुछ हद तक वियतनाम, इंडोनेशिया और मलेशिया में। ये देश दुनियाभर के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर कंडीशनर, जूते, टी-शर्ट सब कुछ बनाते हैं। चिप-मेकिंग जैसी हाई-टेक मैन्यूफैक्चरिंग पहले से ही अमेरिका में बढ़ रही है।

तैयार माल के लिए, पर्याप्त वैश्विक आपूर्ति चेन है। अमेरिका में बेरोजगारी कम है और क्षमता सीमित है। अनुबंध पर माल तैयार करने वाले निर्माता तुरंत अपनी ईकाई बदलने के लिए तैयार नहीं होंगे क्योंकि इसमें नए निवेश की आवश्यकता होती है और उच्च अमेरिकी श्रम लागत छूट से होने वाले लाभ को कम कर सकती है।

क्या अनुबंध विनिर्माण में फायदा मिलेगा- उत्पादों और बौद्धिक संपदा में दखल रखने वाली बड़ी कंपनियां ठेके पर माल तैयार करने का काम सौंपती हैं। एनवीडिया भारत और अन्य जगहों पर एआई चिप्स डिजाइन करती है, जिन्हें ताइवान में टीएसएमसी द्वारा बनाया जाता है। एप्पल के उत्पाद कैलिफोर्निया में डिजाइन होते हैं और अनुबंध निर्माताओं के माध्यम से चीन, भारत आदि में बनते हैं। आईपी और उत्पाद स्वामित्व कम मार्जिन वाले विनिर्माण की तुलना में अधिक मूल्य रखते हैं।

भारतीय निर्माताओं के लिए चेतावनी

पुरानी तकनीक, असंगत गुणवत्ता मानक, कौशल में अंतर और जटिल नियम भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का रास्ता रोकते हैं। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.64 प्रतिशत अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है, जो इनोवेशन को प्रभावित करता है, जबकि चीन 2.4 प्रतिशत और अमेरिका 3.5 प्रतिशत खर्च करता है।

भारत की लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का 14-15 प्रतिशत है। राष्ट्रीय रसद नीति 2022 के लक्ष्य के अनुसार इसे घटाकर 9 प्रतिशत करने की उम्मीद है। ऐसा होने से प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना विनिर्माण को बेहतर बनाने में मदद कर रही है, हालांकि इसकी रफ्तार काफी धीमी है।

अन्य एशियाई देशों का रवैया

नीति आयोग की दिसंबर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को चीन प्लस वन रणनीति को अपनाने में सीमित सफलता मिली है, जबकि वियतनाम, थाइलैंड, कंबोडिया और मलेशिया बड़े लाभार्थी बन गए हैं। सस्ते श्रम, सरल कर कानून, कम शुल्क और मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने में सक्रियता जैसे कारकों ने इन देशों को अपनी निर्यात हिस्सेदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब अमेरिकी व्यापार बाधाओं के मंडराते खतरे के साथ, भारत को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में व्यवधान पैदा करने वाले मुद्दों को सुलझाना होगा।

1 शेयर पर 4 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट की तारीख हुई तय

नईदिल्ली, एजेंसी। संगम फिनसर्व लिमिटेड ने बोनस शेयर के लिए तय रिकॉर्ड डेट में बदलाव किया है। कंपनी ने 27 जनवरी 2025 को नए रिकॉर्ड डेट की जानकारी दी है। कंपनी की तरफ से 1 शेयर पर 4 शेयर बोनस देने का फैसला किया है।

1 शेयर पर मिलेंगे 4 शेयर फ्री- कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले 1 शेयर पर 4 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। कंपनी ने बोनस शेयर के लिए 7 फरवरी 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बता दें, कंपनी पहली बार बोनस शेयर देने का फैसला किया है।

दो बार डिविडेंड दे चुकी है कंपनी- कंपनी के शेयरों में काफी समय के बाद कोई हलचल देखने को मिल रही है। कंपनी ने इससे पहले 2017 और 2018 में निवेशकों के बीच डिविडेंड दिया था। तब कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 1 रुपये और 1.20 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा- सोमवार को कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत की उछाल के बाद 270.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गए थे। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 47 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, 6 महीने में इस बोनस स्टॉक ने निवेशकों का पैसा दोगुना से अधिक का कर दिया है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 151 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

1 साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 289 प्रतिशत का लाभ मिला है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स में महज 6.60 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। कंपनी का 52 वीक हाई 301.35 रुपये है। और कंपनी का 52 वीक लो लेवल 68.15 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 252.04 करोड़ रुपये का है।

भारतीय बल्लेबाज ने जमाया इस आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास का पहला शतक

आईसीसी अंडर 19 महिला टी-20 टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाज ने इतिहास रचा है. उसने अपने बल्ले से ऐतिहासिक पारी खेली है.हम बात कर रहे 19 साल की बल्लेबाज गोंगाडी त्रिशा की, जिन्होंने 59 गेंदों पर ऐसा धमाल मचाया कि स्कॉटलैंड के गेंदबाज पानी मांगते दिखे. त्रिशा ने आखिर तक नाबाद रहते हुए 110 रन बनाए, जो कि आईसीसी अंडर 19 महिला टी-20 टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज के बल्ले से निकली पहली सेंचुरी है. इस शतकीय पारी की बदौलत त्रिशा ने भारतीय स्कोर बोर्ड को तो 200 के पार पहुंचाया ही साथ ही खुद भी टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बन गई.भारत ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने बैटिंग के दौरान जमकर मौज काटी. उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया. लेकिन, गोंगाडी त्रिशा के इरादे अलग ही थे. उन्होंने रनों की बहती गंगा में सिर्फ गोते नहीं लगाए बल्कि ऐतिहासिक शतक की कहानी भी लिखी.जी. कमालिनी के साथ ओपनिंग करने उतरी त्रिशा ने शुरू ही स्कॉटलैंड के गेंदबाजों पर अटैक कर दबाव बनाए रखा. रन कमालिनी के बल्ले से भी निकल रहे थे लेकिन उस रफ्तार से नहीं जो त्रिशा ने पकड़ रखी थी. दोनों के बीच ओपनिंग विकेट के लिए 147 रन की बड़ी साझेदारी हुई, जिससे भारत को जबरदस्त स्टार्ट मिली. ओपनिंग पार्टनर के साथ छोड़कर जाने के बाद भी गोंगाडी त्रिशा के अंदाज और मिजाज पर फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने शतक जड़ दिया.

राष्ट्रीय खेलों में रिलायंस फाउंडेशन के 50 से अधिक एथलीट मैदान में उतरेंगे

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में हो रहे राष्ट्रीय खेलों के 38वें संस्करण में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े 50 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, शूटिंग, जूडो, भारोत्तोलन, कुश्ती और टेबल टेनिस सहित आठ खेल प्रतियोगिताओं में फाउंडेशन के एथलिट पदक जीतने की कोशिश करेंगे। 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड में आयोजित होने वाले इन खेलों में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद है। रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ी हुई और टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतिस्पर्धा में भाग ले रही हैं। उनके साथ उभरती हुई जूडो सनसनी हिमांशी टोकस भी पदक की रेस में होंगी। जिन्होंने हाल ही में अफ्रीकी कप में शानदार जीत हासिल की थी। वे वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में शीर्ष 5 में पहुँच गई हैं। एथलेटिक्स इवेंट में रिलायंस फाउंडेशन के कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भाग लेंगे, जिनमें ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), तेजस शिरसे (110 मीटर बाधा दौड़), मणिकांता होबलीधर (100 मीटर), अमलान बोरगोहेन (200 मीटर) और रोजी मीना पॉलराज (पोल वॉल्ट) शामिल हैं। अनिमेष कुजूर (2024 में भारत के सबसे तेज धावक), डीएम जयराम, बापी हंसदा और साक्षी चव्हाण जैसे उभरते सितारों का प्रदर्शन भी देखने लायक होगा।एथलेटिक्स दल के बारे में बात करते हुए, रिलायंस फाउंडेशन के एथलेटिक्स डायरेक्टर जेम्स हिलियर ने कहा, ÷हम राष्ट्रीय खेलों को लेकर वाकई उत्साहित हैं। यह हमारे एथलीटों के लिए अपनी फिटनेस को जांचने और वे कितनी अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रहे हैं, इसका आकलन करने का एक मौका है हमें उम्मीद है कि हमारे एथलीट, काफी पदक जीतेंगे।

आईसीसी वूमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयरः ये बड़ा अवॉर्ड जीतने वाली अपने देश की पहली क्रिकेटर

न्यूजीलैंड की एमेलिया ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमेलिया केर ने इतिहास रच दिया है. वह प्रतिष्ठित राशेल हेहोई फ्लिंट ट्रॉफी पाने वाली अपने देश की पहली क्रिकेटर बन गई. एमेलिया केर को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरह्य चुना गया.

24 साल की एमेलिया ने लॉरा वोलवार्ट, चामरी अटापट्टू और अनाबेल सदरलैंड जैसी स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़कर महिला क्रिकेट का शीर्ष सम्मान हासिल किया. एमेलिया न केवल राशेल हेहोई फ्लिंट ट्रॉफी जीतने वाली न्यूजीलैंड की पहली खिलाड़ी हैं, बल्कि किसी भी श्रेणी में आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर बनने वाली अपने देश की पहली खिलाड़ी भी हैं.

पूरे साल के दौरान एमेलिया ने खेल के हर विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्व स्तरीय ऑलराउंडर के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. उनके बेहतरीन क्षेत्ररक्षण ने न्यूजीलैंड को कई मौकों पर मुश्किल से उबारा, जबकि लेग स्पिनर के रूप में उनके कौशल ने उन्हें दुनिया की सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया. एमेलिया ने कई मौकों पर गेंद से अपनी टीम के लिए मैच विजेता की भूमिका निभाई. बल्ले से वह न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा रहीं. उन्होंने शीर्ष क्रम की अच्छी शुरुआत का फायदा भी उठाया और शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने पर पारी को संभालने में भी सक्षम रहीं.

पहली बार 2017 में शुरू की गई राशेल हेहोई फ्लिंट ट्रॉफी को एमेलिया से पहले सिर्फ तीन खिलाड़ियों को दिया गया है. जिसमें ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी, भारत की स्मृति मंधाना और इंग्लैंड की नैट स्काइवर-ब्रंट शामिल हैं. इन तीनों ने दो-दो बार यह पुरस्कार जीता है.

दिनेश कार्तिक ने धोनी को पछाड़ा, सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक जो वर्तमान में एसए-20 2025 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्षीय कार्तिक 27 जनवरी को डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 15 गेंदों पर 21 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए। कार्तिक ने अब टी20 में 361 पारियों में 7,451 रन बनाए हैं और इस तरह उन्होंने भारत के दिग्गज विकेटकीपर एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने अब तक 342 पारियों में 7,432 रन बनाए हैं। धोनी के पास आगामी आईपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए इस रिकॉर्ड को फिर से अपने नाम करने का मौका होगा।

कार्तिक अब टी20 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपरों में सबसे आगे हैं, लेकिन आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपरों का रिकॉर्ड अभी भी धोनी के नाम है। लीग में धोनी के नाम 5,125 रन हैं और दूसरे नंबर पर कार्तिक हैं जिनके नाम 4,463 रन हैं। एसए20 में कार्तिक की टीम पार्ल रॉयल्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक अपने 8 में से 7 मैच जीते हैं और फिलहाल 28 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि पार्ल रॉयल्स हाल ही में फ्रैंचाइजी क्रिकेट में पहली ऐसी टीम भी बनी है जिसने अपने सभी ओवर केवल स्पिनरों से ही कराए।

नेमार के साथ अनुबंध आपसी सहमति से समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल–हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा। सऊदी अरब के क्लब अल–हिलाल ने कहा है कि उसकी स्ट्राइकर नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की। कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने क्लब के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की।एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल–हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा।

रोहित का रणजी सफर थमा, जायसवाल, अय्यर भी नहीं खेलेंगे अगला मैच

मुंबई, एजेंसी। गत चैम्पियन मुंबई को मेघालय के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर की कमी खलेगी। इन तीनों ने एलीट ग्रुप ए के छठे दौर में जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेला था जिसमें मुंबई को पांच विकेट से पराजय का सामना करना पड़ा। उस मैच में ये तीनों नहीं चल सके जबकि शार्दुल ठाकुर ने 51 और 119 रन की पारियां खेली। मुंबई को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिये अब मेघालय को बड़े अंतर से हराने के अलावा बाकी मैचों में भी अनुकूल नतीजों की उम्मीद करनी होगी। रोहित, जायसवाल और अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ छह, नौ और 12 फरवरी को होने वाले वनडे और चैम्पियंस ट्रॉफी टीम का हिस्सा हैं। मुंबई क्रिकेट संघ के एक सूत्र ने तीनों के अगला मैच नहीं खेलने की पुष्टि की। उन्होंने अय्यर के बारे में कहा कि वह भारतीय टीम से जुड़ेगा।

बीते दिनों ही खबर आई थी कि रोहित ने नकारात्मक आलोचना के लिए सुनील गावस्कर की बीसीसीआई से शिकायत लगाई है। एक रिपोर्ट सामने आई है जिसके अनुसार रोहित ने बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से बैठक में सुनील गावस्कर की नकारात्मक आलोचना के बारे में शिकायत की, जिसमें कहा गया कि बाहरी दबाव ने उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया। रोहित को लगा कि सुनील गावस्कर के लिए इस तरह से उनकी आलोचना करना जरूरी नहीं है और इसीलिए उन्होंने गावस्कर के बारे में बीसीसीआई से शिकायत की।अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण रोहित शर्मा ने पहला टेस्ट नहीं खेला था। आगे के तीन मैचों में वह 31 रन ही बना पाए। इसलिए पांचवें टेस्ट से वह खुद ही हट गए थे। रोहित शर्मा को बल्ले से संघर्ष पर गावस्कर ने टिप्पणी की थी कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज ÷अगर मेलबर्न और सिडनी में रन नहीं बनाता है÷ तो पद छोड़ सकता है। उसे चयनकर्ता के फैसले का इंतजार नहीं कर सकता है। लिटिल मास्टर ने अपने कॉलम में लिखा था- कप्तान रोहित शर्मा अपनी गहराई से बाहर थे और उन्होंने अपने फॉर्म के कारण अलग होने का साहसी निर्णय लिया, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

20 छक्के उड़ाते हुए ठोका दोहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। शानदार, जबरदस्त, बेमिसाल. उसकी बेलगाम बल्लेबाजी देखकर यही कहेंगे आप. हम बात कर रहे हैं समीर रिजवी की, जिन्होंने अंडर 23 कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए गुजरात के खिलाफ बड़ा धमाका किया है. उनकी विस्फोटक पारी का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि उन्होंने अपनी इनिंग में 159 गेंदों का सामना किया, जिसमें से 61 पर कोई रन नहीं बनाकर भी दोहरा शतक ठोक दिया. ये बीते 37 दिनों में समीर रिजवी के बल्ले से निकला तीसरा दोहरा शतक है.

दाएं हाथ के बल्लेबाज समीर रिजवी ने गुजरात के खिलाफ दूसरी पारी में अपना आक्रामक अंदाज दिखाया. उन्होंने गुजरात के बल्लेबाजों की पिटाई करते हुए उनका धागा खोल दिया. उन्होंने मैच की सेकंड इनिंग में 164.78 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 159 गेंदों पर 262 रन जड़े. उनकी इस कयामत ढाने वाली पारी में 20 छक्के और 21 चौके शामिल रहे. इस दमदार पारी के दौरान समीर रिजवी ने अपने साथी खिलाड़ी स्वास्तिक चिकारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 381 रन की पार्टनरशिप दूसरी पारी में की.

पार्ल रॉयल्स की एसए-20 में रिकॉर्ड जीत, डरबन्स सुपर जाइंट्स बाहर

पार्ल, एजेंसी। पार्ल रॉयल्स ने एसए–20 लीग में डरबन्स सुपर जाइंट्स (डीएसजी) को छह विकेट से हराकर घरेलू मैदान पर सभी पांच मैच जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। यह पहली बार है जब प्रतियोगिता के लीग चरण में कोई टीम घरेलू मैदान पर अजेय रही है। डीएसजी की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है क्योंकि पिछले सत्र की उप विजेता टीम अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकती। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे सुपर जाइंट्स ने 33 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 55) के नाबाद अर्धशतक और केन विलियमसन (45) के साथ उनकी 53 रन की साझेदारी की बदौलत टीम सात विकेट पर 143 रन बनाने में सफल रही। रॉयल्स की ओर से ब्योर्न फोरटुइन ने 20 जबकि क्वेन मफाका ने 22 रन देकर दो–दो विकेट चटकाए। रॉयल्स ने इसके जवाब में रूबिन हरमन की 59 रन की पारी और हुआन ड्रे–प्रिटोरियस (43) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 91 रन की साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 147 रन बनाकर जीत दर्ज की।

डिविलियर्स की चार साल बाद क्रिकेट में वापसी, इस लीग में करेंगे टीम की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीक के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लगभग चार साल बाद खेल में अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी की घोषणा की है। डिविलियर्स, जिन्हें अब तक के सबसे अभिनव और रोमांचक क्रिकेटरों में से एक माना जाता है, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दूसरे संस्करण में गेम चेंजर्स साउथ अफ्रीका चैंपियंस की कप्तानी करेंगे।

संन्यास और गैर-अनुबंधित क्रिकेट दिग्गजों की विशेषता वाला यह प्रीमियर टी20 टूर्नामेंट दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए पुरानी यादों को ताजा करने वाला लेकिन रोमांच पेश करता है। अपनी वापसी पर डिविलियर्स ने कहा, चार साल पहले मैंने सभी क्रिकेट प्रारूप से संन्यास ले लिया था क्योंकि मुझे अब और खेलने की इच्छा नहीं थी। खैर, समय बीत चुका है और मेरे छोटे बेटे खेल खेलने लगे हैं। हम बगीचे में अधिक से अधिक खेल रहे हैं और ऐसा लगता है जैसे किसी तरह की लौ फिर से जल गई है।

उन्होंने कहा, इसलिए मैं जिम और नेट्स पर वापस जा रहा हूं और मैं जुलाई में डब्ल्यूसीएल के लिए तैयार हो जाऊंगा। अपनी बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा और निडर बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले डिविलियर्स की वापसी ने क्रिकेट जगत में उत्साह जगा दिया है। गेम चेंजर्स टीम, जिसमें उद्घाटन सत्र में जैक्स कैलिस, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन और इमरान ताहिर जैसे दिग्गज शामिल थे, अब डिविलियर्स की कप्तानी में और भी उज्जवल भविष्य है। साउथ अफ्रीका चैंपियंस के सह-मालिक और गेम चेंजर्स के संस्थापक अमनदीप सिंह ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, हम वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में प्रतिस्पर्धा करने और अपने महान क्रिकेटरों की अविश्वसनीय प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमारे कप्तान के रूप में एबी डिविलियर्स की वापसी हमारी टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और उनका नेतृत्व निस्संदेह हमें नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। साउथ अफ्रीका चैंपियंस के सह-मालिक हैरी सिंह ने कहा, एबी डिविलियर्स सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं हैं; वे एक आइकन हैं जिन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। हमारी टीम का नेतृत्व करने का उनका निर्णय खेल के प्रति उनके प्यार का प्रमाण है और हम उन्हें टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। यह टीम और लीग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के संस्थापक और सीईओ हर्षित तोमर ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, यही कारण है कि हमने डब्ल्यूसीएल की शुरुआत की - उन दिग्गजों को वापस लाने के लिए जिन्हें हम बहुत याद करते हैं। एबी डिविलियर्स के प्रशंसक के रूप में मैं उन्हें मैदान पर वापस आते देखकर रोमांचित हूं। मुझे यकीन है कि इंग्लैंड और उसके बाहर के क्रिकेट प्रेमी उनकी वापसी से खुश होंगे।

एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने लगाए एयरलाइंस पर आरोप

तेलुगु फिल्म अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने सोमवार को गोवा एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के स्टाफ पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। उनका कहना था कि उनके बैग को बिना अनुमति के जांच के लिए अलग रखा गया और उन्हें अपना बैग खोलने की इजाजत नहीं दी गई। हालांकि, इंडिगो ने इस मामले में सफाई दे दी है।

लक्ष्मी मांचू ने किए एक के बाद एक ट्वीट

लक्ष्मी मांचू ने इस घटना को लेकर ट्विटर पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए। अभिनेत्री ने लिखा, मेरा बैग किनारे खींच लिया गया और इंडिगो ने मुझे अपना बैग खोलने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वे कह रहे हैं कि अगर ऐसा किया तो बैग गोवा में ही रह जाएगा। यह हास्यासपद है कर्मचारी बहुत असभ्य व्यवहार कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने लगाए गंभीर आरोप

उन्होंने दूसरी पोस्ट में आरोप लगाया, यह उत्पीड़न है, इंडिगो! इसके बाद भी उन्होंने मेरी आंखों के सामने सुरक्षा टैग नहीं लगाया। मैंने बार-बार कहा कि अगर कुछ गायब होता है तो वे जिम्मेदारी लेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि इंडिगो कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा। लक्ष्मी ने यह भी आरोप लगाया कि एयरलाइन स्टाफ ने कुछ यात्रियों का बैग रोक लिया था, क्योंकि उनमें स्लीप एपनिया मशीन, चम्मच, कांटा और चाकू थे।

उन्होंने कहा, एक लड़की को अपना सामान छोड़ना पड़ा, क्योंकि वे समय पर उसका बैग चेक नहीं कर पाए। ओके, अब मैं थक गई हूं। इंडिगो आपको हमेशा अपमानित करने का तरीका ढूंढता है।

एयरलाइन कंपनी ने दिया जवाब

इंडिगो एयरलाइंस ने अभिनेत्री की पोस्ट का तुरंत जवाब दिया। एयरलाइन ने कहा, मैम, हम समझते हैं कि आज सुबह आपको असुविधा हुई। हमारे रिकॉर्ड के अनुसार आपका चेक-इन बैग एयरपोर्ट सुरक्षा द्वारा रोका गया था, क्योंकि इसमें प्रतिबंधित वस्तुएं पाई गई थीं। एयरलाइन ने अपनी सफाई में यह भी कहा कि वे इस मामले को सुलझाने में लक्ष्मी की मदद के लिए आभारी हैं। एयरलाइन ने लिखा, हम आपके सहयोग की सराहना करते हैं। हम आपकी सुखद यात्रा की कामना करते हैं।

कंपनी ने लक्ष्मी के हर आरोप का दिया जवाब

कुछ घंटों बाद लक्ष्मी मांचू ने एक वीडियो और तस्वीर साझा की, जिसमें उनके बैग पर कोई सुरक्षा टैग नहीं था। इंडिगो ने फिर से स्पष्ट किया कि एयरपोर्ट टीम ने उनके बैग पर सुरक्षा टैग लगाया था, लेकिन वह टैग सुरक्षा अधिकारियों द्वारा हटाया गया था, क्योंकि बैग में एक प्रतिबंधित वस्तु थी। एयरलाइन ने कहा, कृपया ध्यान दें कि यह सुरक्षा प्रक्रिया अनिवार्य है और यह सुरक्षा अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आती है, न कि इंडिगो के नियंत्रण में। हम आपके सहयोग और समझ के लिए आभारी हैं। यदि आपको किसी और सहायता की आवश्यकता हो, तो कृपया हमसे डीएम के माध्यम से संपर्क करें। लक्ष्मी मांचू की बात करें तो वह राम गोपाल वर्मा के निर्देशन में बनी हिंदी फिल्म डिपार्टमेंट में काम कर चुकी हैं। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त और अमिताभ बच्चन थे।

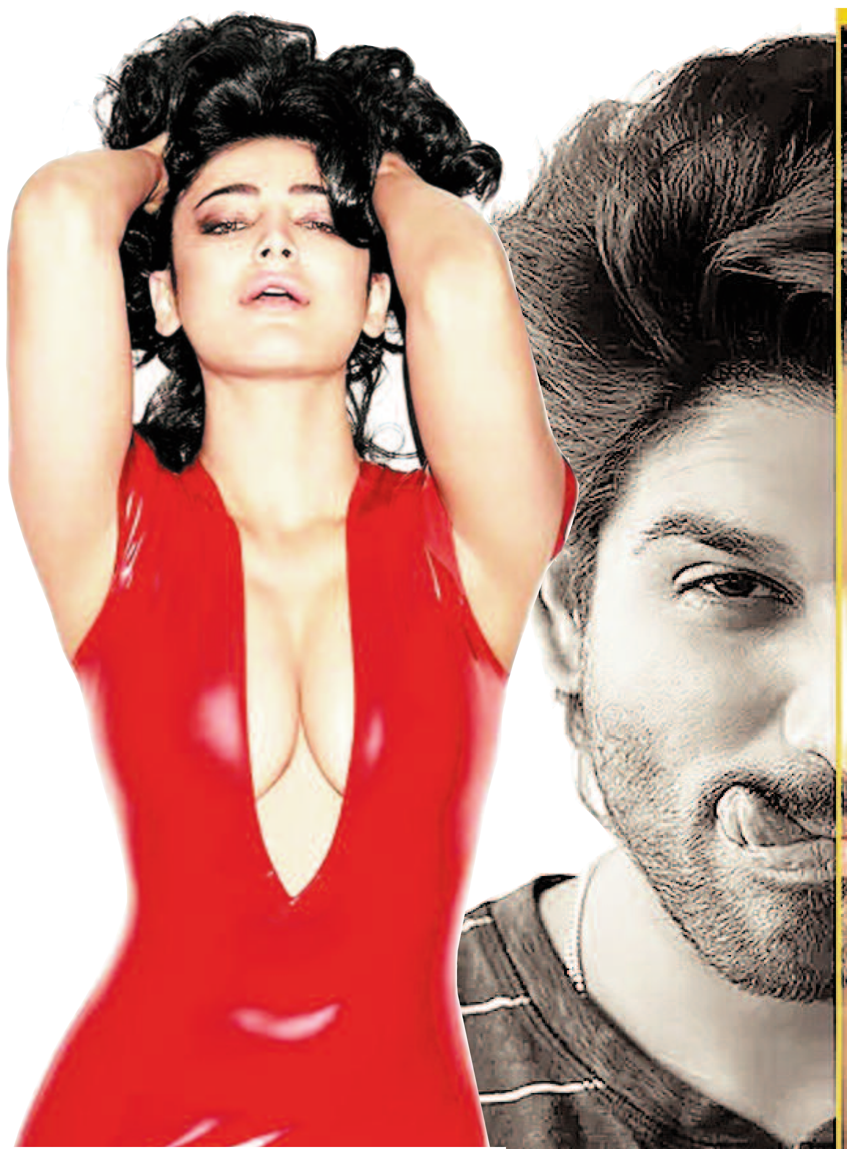

श्रुति हासन अभी तक क्यों हैं सिंगल

● कमल हासन-सारिका के तलाक के बाद उन पर पड़ा था गहरा असर

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। श्रुति हासन ने अपना 39वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। आइए जानते हैं श्रुति हासन की जिंदगी से जुड़े कुछ पहलुओं के बारे में दिलचस्प बातें।

श्रुति हासन का पूरा नाम श्रुति राजलक्ष्मी हासन है। श्रुति का जन्म 28 जनवरी 1986 को तमिलनाडु में हुआ। श्रुति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बॉलीवुड फिल्म लक से की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बिल्कुल भी नहीं चली और इसके बाद श्रुति ने अपना रुख साउथ की फिल्मों की ओर कर लिया। वैसे श्रुति अभिनेत्री होने के साथ ही बेहतरीन सिंगर भी हैं।

शादी से पहले हुआ था श्रुति का जन्म?

कमल और सारिका ने साल 1988 में शादी की थी। कथित तौर पर श्रुति का जन्म उनकी शादी से दो साल पहले ही हो चुका था। कमल और सारिका शादी से पहले लिव-इन में रहते थे।

बाल कलाकार के रूप में किया काम

श्रुति की पहली फीचर फिल्म में उपस्थिति एक बाल कलाकार के रूप में थी, जिसमें उन्होंने अपने पिता कमल हासन की तमिल-हिंदी द्विभाषी फिल्म हे राम में वल्लभभाई पटेल की बेटी की छोटी सी भूमिका निभाई थी।

माता-पिता के अलग होने पर पड़ा था गहरा असर

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार कमल हासन की बेटी और अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने माता-पिता के तलाक के बारे में बात की थी। कथित तौर पर उन्होंने बताया कि जिस वक्त उनका तलाक हुआ था, वह समय पूरे परिवार के लिए बहुत मुश्किलों भरा था। 20 साल शादी के बाद जब दोनों अलग हुए तो श्रुति ने कहा कि तलाक लेने का फैसला केवल बच्चों के ही लिए नहीं बल्कि पेरेंट्स के लिए भी बेकार होता है।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म पर आया अपडेट, क्या पौराणिक कथा पर आधारित होगी फिल्म?

अल्लू अर्जुन हाल ही में पुष्पा 2 द रूल में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अपने दमदार अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया। अब उनकी आगामी फिल्मों को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। कुछ रिपोर्ट्स से यह संकेत मिल रहे हैं कि अल्लू अर्जुन और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास फिर से एक साथ काम कर सकते हैं।

कहा जा रहा है कि इस बार उनकी फिल्म हिंदू पुराणों पर आधारित हो सकती है। हालांकि, इसको लेकर कोई भी आधिकारिक एलान अब तक नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन को इस फिल्म में भगवान कार्तिकेय पर आधारित किरदार निभाने का मौका मिल सकता है। इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा और यह एक सामाजिक-पुराणिक फैंटेसी फिल्म हो सकती है। अगर यह फिल्म सचमुच बनती है तो यह त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ अल्लू अर्जुन की यह चौथी फिल्म होगी। दोनों ने साल 2012 में जुलाई फिल्म से साथ काम करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने सन ऑफ सत्यमूर्ति और अला वैकुंठपुरमुलु जैसी हिट फिल्मों में भी साथ काम किया। त्रिविक्रम और अल्लू अर्जुन की जोड़ी हमेशा से ही सुपरहिट रही है। दर्शकों को दोनों की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है।

पुष्पा 2 रच चुकी है इतिहास

अल्लू अर्जुन की हालिया रिलीज फिल्म की बात करें तो पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच चुकी है। इस फिल्म ने 54 दिनों में 1232.44 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म अब भी सिनेमाघरों में मजबूती से टिकी हुई है।

● कास्टिंग काउच पर बोलीं दंगल फेम अभिनेत्री फातिमा सना शेख

मुझे असुरक्षित महसूस करवाते...

फातिमा सना शेख फिल्म दंगल में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं। फातिमा ने अब अपने कास्टिंग काउच को लेकर कुछ अनुभव साझा किया है। आमिर खान की फिल्म दंगल में अभिनेत्री फातिमा सना शेख बेहतरीन अभिनय के कारण चर्चा में रहीं। एक इंटरव्यू के दौरान फातिमा ने अपने फिल्म इंडस्ट्री के एक्सपीरियंस को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि कैसे कास्टिंग डायरेक्टर मुंबई में अभिनेताओं का फायदा उठाते थे और अक्सर उनकी कमाई में से हिस्सा भी मांगते थे।

बॉलीवुड बबल पर बातचीत के दौरान, फातिमा ने बताया कि स्टूडियो में ऑडिशन होते थे। जब अभिनेताओं को विज्ञापन के लिए भुगतान मिलता था, तो उन्हें पता चलता था कि उनकी कमाई का एक हिस्सा उसी कास्टिंग डायरेक्टर ने रखा लिया। फातिमा ने आरोप लगाया कि सभी को अपने भुगतान का 15 प्रतिशत उन्हें देना पड़ता था, भले ही आप उन्हें जानते ही न हों।

फातिमा ने कहा कि बड़े कास्टिंग डायरेक्टर इसमें शामिल नहीं थे, केवल फ्रॉड लोग ही ऐसा करते थे। वहां कई ऐसे लोग थे जो नए अभिनेताओं का फायदा उठाते थे। संघर्ष कर रहे अभिनेता इस बारे में जानते ही नहीं थे, इसलिए वो इन सब चीजों का शिकार भी हो जाते थे।

फातिमा सना शेख भी इस दौरान कास्टिंग काउच का शिकार हुईं। उन्हें साउथ सिनेमा में कास्टिंग के लिए फोन आते थे।

कास्टिंग डायरेक्टर उन्हें असुरक्षित महसूस करवाते थे। वे पूछते थे, आप सब कुछ करने के लिए तैयार हैं न? मैं कहती थी कि मैं अच्छा काम करूंगी, एक किरदार के लिए जो जरूरी है वो सब मैं करूंगी लेकिन वे कहते थे कि मैं अच्छा काम नहीं कर रही।

सुनील शेट्टी ने की महाकुंभ में ऐतिहासिक पल से जुड़ने की अपील

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में फिल्म जगत के कई सितारे शिरकत कर चुके हैं। इस बीच अभिनेता सुनील शेट्टी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह देश की जनता से महाकुंभ के ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने की अपील करते नजर आए।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अभिनेता सुनील शेट्टी कहते नजर आए, प्रणाम दोस्तों, मैं सुनील शेट्टी। महाकुंभ में एक ऐतिहासिक पल आने वाला है, जहां सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोग एक साथ आएंगे। 27 जनवरी को स्वामी देवकीनंदन ठाकुर महाराज के साथ मिलकर सनातन बोर्ड की स्थापना के लिए एक आंदोलन शुरू किया जाएगा। अभिनेता ने आगे बताया, हम जो आंदोलन कर रहे हैं, उसका उद्देश्य हमारे मंदिरों, गौशालाओं और गुरुकुलों की रक्षा करना है। तो आइए भक्ति के साथ एकजुट हो जाएं और प्रयागराज में हमारे साथ जुड़ें। इस अनोखी यात्रा का हिस्सा बनें।

अभिनेता ने देश की जनता से जुड़ने की अपील के साथ कहा कि मंदिर, गुरुकुल और गौशाला की रक्षा के लिए शांति सेवा शिविर प्रयागराज के साथ जुड़कर इस सार्थक यात्रा का हिस्सा बनें। इस बीच महाकुंभ में फिल्म जगत के कई सितारे शिरकत कर चुके हैं। महाकुंभ पहुंचने वाले सितारों की लिस्ट में दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, सिद्धार्थ निगम, भाग्यश्री, रेमो डिसूजा समेत अन्य का नाम शामिल है।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मां डॉ. मधु चोपड़ा भी महाकुंभ में पहुंच चुकी हैं।

अनुपम खेर ने अपनी पोस्ट में महाकुंभ को आध्यात्मिक महोत्सव बताया था, साथ ही उन्होंने आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का भी आभार जताया था।

प्लास्टिक सर्जरी को गलत नहीं मानती हैं लवयापा एक्ट्रेस, बोलीं- हां, मैंने नाक और होठों की..

खुशी कपूर और जुनैद खान की फिल्म लवयापा जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की रिलीज से पहले खुशी कपूर ने अपने चेहरे पर करवाई कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में बात की है। लवयापा में नजर आने वाली अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने चेहरे की सर्जरी को लेकर हो रही बातों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें इस बारे में बात करने से डर लगता था लेकिन अब वे कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में ज्यादा खुलकर बात करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में खुशी कपूर ने कहा कि लोगों से नफरत मिलने के डर से पहले में इस बात को मानने में डरती थी। हालांकि, खुशी को अब लगता है कि सर्जरी करवाना कोई अपराध नहीं है और अगर कोई व्यक्ति ऐसा कुछ करता भी है तो ये कोई गलत बात है।

खुशी ने कहा कि लोगों को लगता है कि मैंने ऐसा किया। हां, लेकिन ये पूरी तरह से खूबसूरत लगता है। उन्होंने माना कि उन्होंने अपनी फिल्मी शुरुआत से पहले नाक की सर्जरी और होंठों में फिलर करवाया था।

जोखिम भरे स्टंट की वजह से जा सकती थी अक्षय की जान

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के प्रचार के दौरान अभिनेता ने अपनी फिल्म अंगारे के एक जोखिम भरे स्टंट की घटना को याद किया, जिसकी वजह से उनके निर्देशक महेश भट्ट को सेट छोड़कर जाना पड़ा था।

अक्षय कुमार एक ऐसे अभिनेता हैं, जो अपनी फिल्मों के ज्यादातर स्टंट खुद ही करना पसंद करते हैं। यही वजह है कि उन्हें बॉलीवुड का खिलाड़ी कुमार कहा जाता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, उन्होंने उस समय को याद किया जब उन्होंने महेश भट्ट की 1998 की एक्शन-थ्रिलर फिल्म अंगारे में सबसे खतरनाक स्टंट किया था। अक्षय ने याद किया कि निर्देशक सेट से यह कहते हुए चले गए थे कि यह मर जाएगा।

फिल्म अंगारे में किया था खतरनाक स्टंट

अक्षय कुमार अपनी हाल ही में रिलीज हुई एक्शन-ड्रामा फिल्म स्काई फोर्स का प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान हुए एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने महेश भट्ट की 1998 की एक्शन-थ्रिलर फिल्म अंगारे में काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया। उन्होंने बताया कि जब वह फिल्म का सबसे खतरनाक और चुनौतीपूर्ण स्टंट कर रहे थे, तो निर्देशक महेश भट्ट को उनकी जान की चिंता होने लगी थी।

स्टंट के दौरान जा सकती थी अक्षय की जान?

- आगे अक्षय ने बताया कि स्टंट इतना जोखिम भरा था कि इससे पहले कि वह इसे कर पाते, उनके निर्देशक महेश भट्ट सेट से चले गए। कथित तौर पर अक्षय ने बताया, महेश भट्ट ने कहा यह मुझे नहीं देखना है, यह मर जाएगा। वह सेट से चले गए, इसलिए मैंने अपने निर्देशक के बिना ही वह शॉट किया।

दरअसल, इस स्टंट के दौरान अक्षय को सात मंजिल की इमारत से कूदना था। बीच में, एक सड़क थी, लेकिन केवल एक लेन और दूसरी तरफ एक और इमारत थी। कथित तौर पर अक्षय ने बताया, मुझे सातवीं मंजिल से चौथी मंजिल पर कूदना पड़ा।